राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 29 अगस्त 2026 वर्ष-9,अंक-207 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

आरएसएस पथ संचलन में शामिल होने के आरोप में कर्नाटक के दो सरकारी शिक्षक निलंबित

- सरकारी सेवा आचरण नियमों के उल्लंघन का आरोप; विभागीय जांच जारी

बेंगलुरु ।

कर्नाटक के यादगीर जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पथ संचलन में शामिल होने के आरोप में शिक्षा विभाग ने दो सरकारी स्कूल शिक्षकों को निलंबित कर दिया है। विभाग ने दोनों पर कर्नाटक सिविल सेवा के आचरण नियमों का उल्लंघन करने और सरकारी सेवा अनुशासन की अवहेलना का आरोप लगाया है। निलंबित शिक्षकों में हुनसगी स्थित सरकारी बालिका उच्च विद्यालय के सहायक शिक्षक गुरुराज जोशी और सुरपुर तालुका के कुप्पी स्थित सरकारी निम्न प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक अन्ना साहेब देशमुख शामिल हैं। दोनों पर अलग-अलग स्थानों पर आयोजित आरएसएस पथ संचलन में भाग लेने का आरोप है। शिक्षा विभाग ने मामले की विभागीय जांच लंबित रहने तक दोनों शिक्षकों को निलंबित कर दिया है। विभाग के अनुसार, यह कार्रवाई कर्नाटक सिविल सेवा (आचरण) नियम, 2021 और संबंधित सेवा नियमों के प्रावधानों के तहत की गई है। सहायक शिक्षक गुरुराज जोशी पर 12 अक्टूबर 2025 को विजयपुरा जिले के तालिकोटी में आयोजित आरएसएस पथ संचलन में शामिल होने का आरोप है। इस कार्यक्रम में उनकी मौजूदगी से जुड़ी एक तस्वीर कन्नड़ समाचार पत्र में प्रकाशित होने के बाद मामला सामने आया। इसके बाद अंबेडकर स्वाभिमानी सेना की जिलाध्यक्ष जुमाना गुडीमणि ने इस पर आपत्ति जताते हुए शिक्षा विभाग में शिकायत दर्ज कराई और शिक्षक के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की।

नेपाल में तबाही के बीच शर्मनाक हरकत, महिला के शव से चुराई सोने की बालियां

मौजूद लोग बनाते रहे वीडियो, वायरल होते ही पुलिस ने आरोपियों को दबोचा

काठमांडू।

नेपाल में बाढ़ की तबाही के बीच बहुत शर्मनाक वीडियो सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर हड़कंप मचा दिया है। इस वीडियो में कुछ लोग बाढ़ में मारे गए एक महिला के शव से सोने की बालियां चुराते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो वायरल होते ही नेपाल पुलिस हरकत में आई और आरोपियों को हिरासत में लिया गया। यह घटना ऐसे समय हुई है जब नेपाल इस दशक की सबसे भयानक बाढ़ आपदा से जूझ रहा है, जिसमें अब तक करीब 400 लोगों की जान जा चुकी है। जानकारी के मुताबिक यह वीडियो 41 सेकंड का है और इसमें साफ देखा जा सकता है कि दो लोग एक महिला के शव को बालों से खींचकर ले जा रहे हैं। इसके बाद वे शव के दोनों कानों से सोने की बालियां निकालकर एक तरफ रख देते हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि आसपास कई लोग खड़े होकर यह सब देख रहे थे और कुछ लोग तो इसे अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड भी कर रहे थे। जैसे ही यह वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ, लोगों ने इसकी कड़ी निंदा की और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। नेपाल पुलिस ने एक पोस्ट कर बताया कि शव से बालियां चुराने वाले लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दें यह घटना ऐसे समय हुई है जब नेपाल और तिब्बत में आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। इस आपदा में अब तक करीब 400 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दोनों देशों की सीमा पर 1468 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। इस बाढ़ ने सैकड़ लोग फंसे है, जिनमें कई भारतीय नागरिक भी हैं। भारत सरकार अपने नागरिकों का पता लगाने में जुटी है जो अभी तक लापता हैं। सड़कें टूट चुकी हैं, पुल बह गए हैं और हर तरफ कीचड़ व मलबे का ढेर है, जिसके चलते बचाव दल प्रभावित इलाकों तक पहुंचने में संघर्ष कर रहे हैं। इसके अलावा एक नई बनी झील पर भी प्रशासन की नजर है, जो तेजी से भर रही है और इससे आगे और तबाही आने का खतरा बना हुआ है।

एनटीए में तीन अधिकारियों की नियुक्ति

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी में दो डायरेक्टर और एक जॉइंट डायरेक्टर की नियुक्ति की है। एनटीए को नीट पेपर लीक और परीक्षा से जुड़ी अन्य समस्याओं को लेकर पहले आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। कार्मिक मंत्रालय की ओर से 27 अगस्त को जारी अलग-अलग आदेशों के मुताबिक, रवि कुमार सिंह, जो भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी हैं, और प्रसन्ना वेंकटेश वी, जो भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं, को एनटीए में डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। कार्मिक मंत्रालय के आदेश के अनुसार, 2016 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (कस्टम्स और इनडायरेक्ट टैक्सेस) अधिकारी अमित समदरिया को एनटीए में जॉइंट डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। तीनों आदेशों में कार्मिक मंत्रालय के एक सर्कुलर का जिक्र किया गया है, जिसमें कहा गया है कि नियुक्त अधिकारियों को आदेश जारी होने के तीन हफ्ते के अंदर अपना नया पद संभालना होगा।

आज हुए लोकसभा चुनाव...चौंथी बार फिर बना सकती हैं एनडीए सरकार

पीएम पद के लिए जेन-जी की पहली पसंद पीएम मोदी

नई दिल्ली।

अगर आज देश में लोकसभा चुनाव होते हैं, तब केंद्र में किसकी सरकार बनेगी? प्रधानमंत्री पद के लिए जनता की पहली पसंद कौन है? इन महत्वपूर्ण सवालों का जवाब एक ताजा सर्वे में सामने आया है, जिसके मुताबिक फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) केंद्र में सरकार बना सकता है।

सर्वेक्षण के अनुसार, लोकसभा चुनाव होने पर एनडीए को 326 सीटें मिलने का अनुमान है, जो बहुमत के आंकड़े से कहीं ज्यादा है। वहीं, इंडिया ब्लॉक को 185 सीटें और अन्य दलों के खाते में 32 सीटें जा सकती हैं। वोट शेयर के हिसाब से एनडीए को 45 फीसदी, इंडिया ब्लॉक को 39 फीसदी और अन्य को 16 फीसदी वोट मिलने का अनुमान है। सिर्फ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को 261 सीटें, जबकि कांग्रेस को 106 सीटें मिलने का अनुमान जाहिर किया गया है।

वहीं जेन-जी के बीच हुए इस सर्वे में प्रधानमंत्री पद के लिए जनता की पहली पसंद अभी भी नरेंद्र मोदी बने हुए हैं, उन्हें 49 प्रतिशत लोगों ने सबसे अच्छा विकल्प बताया।

राहुल गांधी को 27 प्रतिशत और तमिलनाडु के नेता सी.जोसेफ विजय को 9 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला। प्रधानमंत्री मोदी के कामकाज को लेकर भी सकारात्मक राय सामने आई है, जहां 51 प्रतिशत लोगों ने उनके प्रदर्शन को अच्छा बताया। एनडीए सरकार के समग्र प्रदर्शन पर संतुष्टि अगस्त 2026 में 50 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि 29 प्रतिशत लोग असंतुष्ट दिखे।

देश के विभिन्न राज्यों में भी सियासी समीकरणों का आकलन हुआ है। उत्तर प्रदेश में इंडिया ब्लॉक को 41 और एनडीए को 38 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि महाराष्ट्र में एनडीए को 31 और इंडिया ब्लॉक को 17 सीटें मिल सकती हैं।

पश्चिम बंगाल में एनडीए को 35 सीटों के साथ बढ़त मिलने की संभावना है। महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दों पर भी जनता की राय स्पष्ट है। एक देश, एक चुनाव के विचार को 70 प्रतिशत लोगों का भारी समर्थन मिला है, जबकि 65 प्रतिशत लोग दलबदल विरोधी कानून को और मजबूत करने के पक्ष में हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड को लेकर 47 प्रतिशत लोगों ने केंद्र और राज्य दोनों सरकारों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की बात कही है।

यह सर्वेक्षण देश के सभी राज्यों और लोकसभा क्षेत्रों में 1 जुलाई 2026 से 25 अगस्त 2026 के बीच 25,184 वयस्कों की राय और पिछले 24 हफ्तों में 91,795 लोगों से ली गई राय के विश्लेषण पर आधारित है।

कुल 1,16,644 लोगों की राय का निचोड़ लेकर यह रिपोर्ट तैयार की गई है,

जिसमें 3 से 5 प्रतिशत तक के मार्जिन ऑफ एरर की संभावना है।

चीन-नेपाल सीमा पर फंसे भारतीयों का रेस्क्यू, 21 लोगों की सुरक्षित दिल्ली वापसी

विदेश मंत्री जयशंकर ने एयरपोर्ट पहुंचकर लौटे भारतीयों से की मुलाकात -चीन में फंसे करीब 400 भारतीयों से संपर्क, 320 से अभी संपर्क नहीं

नई दिल्ली।

नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बीच चीन-नेपाल सीमा और प्रभावित इलाकों में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने का अभियान तेज कर दिया गया है। विदेश मंत्रालय के ताजा अपडेट के मुताबिक, रेस्क्यू किए गए 21 भारतीय नागरिक काठमांडू से सुरक्षित दिल्ली पहुंच गए हैं। ये सभी तमिलनाडु के रहने वाले हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर खुद दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे और भारत लौटे नागरिकों से मुलाकात कर राहत एवं बचाव अभियान का जायजा लिया। विदेश मंत्री जयशंकर ने एयरपोर्ट पर भारत लौटे 21 नागरिकों से मुलाकात की और उनकी स्थिति के बारे में जानकारी ली। सरकार का कहना है कि प्राथमिकता सभी फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करना है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, चीन की ओर फंसे 96 भारतीय नागरिक सुरक्षित रूप से नेपाल की सीमा में प्रवेश कर चुके हैं। वहीं करीब 400 भारतीय नागरिक अब भी चीन में फंसे हुए हैं और उनसे लगातार संपर्क बना हुआ है। सरकार उन्हें सुरक्षित वापस लाने के प्रयासों में जुटी है। 320 भारतीयों से अभी संपर्क नहीं विदेश मंत्रालय ने बताया कि करीब 320 भारतीय नागरिकों से फिलहाल संपर्क नहीं हो पाया है। सरकार की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में

फंसे भारतीयों की जानकारी जुटाने और उनसे संपर्क स्थापित करने की कोशिश कर रही हैं। खराब मौसम, बाढ़, भूस्खलन और कई स्थानों पर संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त होने के कारण रेस्क्यू अभियान में चुनौतियां आ रही हैं। नेपाल को एनडीआरएफ भेजने की पेशकश भारत ने राहत एवं बचाव कार्यों में नेपाल की मदद के लिए नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एनडीआरएफ) की टीम भेजने की पेशकश की है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस प्रस्ताव पर नेपाल के जवाब का इंतजार किया जा रहा है।

भारत ने नेपाल में राहत सामग्री से भरे दो विमान पहले ही भेज दिए हैं, जबकि तीसरी खेप भी जल्द रवाना किए जाने की तैयारी है। नेपाल की जरूरत के मुताबिक टनल रेस्क्यू टीम और मेडिकल टीम भेजने की तैयारी भी पूरी कर ली गई है।

पीएम मोदी ने रक्षा बंधन की शुभकामनाएं दीं

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया- यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और सफलता लेकर आए

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रक्षा बंधन के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। श्री मोदी ने कामना की है कि यह पवित्र त्योहार सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता लाए। उन्होंने यह भी प्रार्थना की कि रक्षा बंधन के माध्यम से मनाया जाने वाला प्रेम, स्नेह और आपसी विश्वास का यह बंधन सदा मजबूत और अटूट बना रहे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 7, लोक कल्याण मार्ग पर आयोजित रक्षा बंधन समारोह के कुछ यादगार पलों को साझा किया।

श्री मोदी ने कामना की कि यह त्योहार लोगों के बीच स्नेह और सद्भाव के बंधन को और मजबूत करे तथा सभी के जीवन में सुख, समृद्धि एवं आनंद लाए। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया रक्षाबंधन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और सफलता लेकर आए।

स्नेह, अपनत्व और आपसी विश्वास की डोर सदैव अटूट बनी रहे, यही कामना है। यह त्योहार स्नेह और सद्भाव के बंधनों को और गहरा करे।

संसद फिर बुलाने के संकेतों से बढ़ी सियासी हलचल

रिजिजू बोले- महिलाओं से किया वादा पूरा करने की दिशा में काम कर रही सरकार

खरगे ने परिसीमन पर सर्वदलीय बैठक की मांग की

नई दिल्ली ।

संसद के मानसून सत्र का औपचारिक सत्रावसान नहीं होने और इसे दोबारा बुलाए जाने की संभावनाओं के बीच राष्ट्रीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की महिलाओं से महिला आरक्षण कानून लागू करने का वादा किया है और केंद्र सरकार इसी दिशा में काम कर रही है।

हालांकि, रिजिजू ने संसद का विशेष सत्र बुलाने या महिला आरक्षण कानून को 2029 से लागू करने को लेकर कोई स्पष्ट घोषणा नहीं की। उन्होंने केवल इतना कहा कि अतीत में भी संसद का सत्रावसान किए बिना सदन की बैठक दोबारा बुलाई जाती रही है। संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त को समाप्त हुआ था, लेकिन अब तक उसका औपचारिक सत्रावसान नहीं किया गया है। इसी को लेकर संसद के दोबारा बुलाए जाने की अटकलें तेज हैं।

रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री महिलाओं के प्रतिनिधित्व को लेकर अपनी प्रतिबद्धता पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि संसद द्वारा महिलाओं को दिया गया वचन पूरा करने की दिशा में सरकार काम कर रही है। खरगे ने पीएम को लिखा पत्र इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर परिसीमन से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। खरगे ने कहा कि संसद में कोई प्रस्ताव लाने से पहले सभी राजनीतिक दलों को उसका अध्ययन करने और अपनी राय रखने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। कांग्रेस का कहना है कि परिसीमन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर व्यापक राजनीतिक सहमति बनाई जानी चाहिए और सरकार को इस विषय पर कोई फैसला एकतरफा तरीके से आगे नहीं बढ़ाना चाहिए।लोकसभा की 543 सीटें 25 साल तक स्थिर रखने की मांग खरगे ने पत्र में कांग्रेस का रुख दोहराते हुए कहा कि लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों और राज्यों के बीच सीटों के वर्तमान अनुपात को अगले 25 वर्षों तक स्थिर रखा जाना चाहिए। पार्टी ने यह भी मांग की है कि उपलब्ध संसदीय ढांचे के आधार

पर ही वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव से महिला आरक्षण लागू किया जाए। कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को अपने पहले के पत्र का भी उल्लेख किया, जिसमें परिसीमन पर सरकार के प्रस्तावों को लेकर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की गई थी।

गोवा में धर्मांतरण रोधी विधेयक का विपक्ष कर रहा विरोध, सीएम बोले- सदन में करेंगे चर्चा

पणजी।

धर्मांतरण रोधी विधेयक के मसौदे का विरोध बढ़ने के बीच गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने कहा कि इस विधेयक पर कोई भी चर्चा 31 अगस्त से शुरू हो रहे राज्य विधानसभा के मानसून सत्र में होगी। कैबिनेट द्वारा स्वीकृत 'गोवा गैर-कानूनी धर्मांतरण निषेध विधेयक, 2026' में बलपूर्वक, दबाव, अनुचित प्रभाव, प्रलोभन, कपटपूर्ण साधनों या विवाह के जरिए कथित धर्मांतरण के लिए सख्त सजा का प्रस्ताव है। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और निर्दलीय विधायक समेत विपक्षी दलों ने इस विधेयक का विरोध कर दावा किया है कि इससे राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट कके मुताबिक सीएम सावंत ने विपक्ष के विरोध पर कहा कि विधेयक को सदन में पेश होने दीजिए। हम वहीं इस पर चर्चा करेंगे। उन्होंने इस प्रस्तावित कानून पर अन्य कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। यह विधेयक आगामी तीन दिवसीय मानसून सत्र में राज्य विधानसभा में पेश किया जाएगा। विधेयक के तहत अपराधियों को आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। इसके अलावा कम से कम 50,000 रुपए का जुर्माना और पीड़ितों को पांच लाख रुपए तक का मुआवजा दिए जाने का प्रावधान है। प्रस्तावित कानून में उस विवाह को ''अवैध'' घोषित करने का भी प्रावधान है, जो केवल धर्मांतरण के उद्देश्य से किया गया हो। इस अपराध के दोषी पाए जाने वाले हिंदू पुजारियों और मौलवियों समेत अन्य लोगों को न्यूनतम 10 साल के कारावास की सजा हो सकती है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने रक्षाबंधन पर देश-विदेश में रह रहे भारतियों को दी शुभकामनाएं

बोलीं- रक्षा-बंधन हमारी प्राचीन उपासना और संस्कृति का अभिन्न अंग

नई दिल्ली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर देश-विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को शुभकामनाएं दीं।

अपने संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि रक्षा-बंधन की पवित्र परंपरा प्राचीन काल से ही भारतीय उपासना और संस्कृति का हिस्सा रही है। श्रद्धा के साथ हाथ पर बांधे जाने वाले धागे को रक्षा के लिए पवित्र सूत्र-बंधन माना गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि अनेक श्लोकों और मंत्रों में 'रक्षै, मा चल, मा चल' जैसे शब्दों के माध्यम से रक्षा के इस बंधन के सदैव अचल रहने की कामना की जाती है। समय के साथ रक्षा-बंधन बहन द्वारा भाई की कलाई पर राखी बांधने और भाई द्वारा उसकी रक्षा का संकल्प लेने वाले भावपूर्ण सामाजिक पर्व के रूप में लोकप्रिय हुआ।

उन्होंने कहा कि यह त्योहार केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवार, मित्रों और समाज के विभिन्न सदस्यों के बीच आत्मीयता, सम्मान और एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हर रिश्ते की नींव विश्वास, संवेदनशीलता और परस्पर सहयोग पर टिकी होती है। राष्ट्रपति मुर्मू ने देशवासियों से रक्षाबंधन के अवसर पर समाज और देश की रक्षा के लिए संकल्प लेने तथा इसी भावना के साथ विकसित भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति ने दया और सद्भाव का संदेश दिया उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी रक्षाबंधन पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पर्व प्यार, स्नेह और आपसी जुड़ाव के बंधन को मजबूत करे तथा लोगों को दया, सद्भाव और परस्पर सम्मान के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करे।

उन्होंने सभी के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। नेताओं ने भी दी पर्व की बधाई भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रक्षाबंधन को भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और रक्षा के संकल्प का पर्व बताते हुए कहा कि यह भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और पारिवारिक बंधनों को मजबूत करता है। उन्होंने सभी के जीवन में प्रेम, खुशी और सुख-समृद्धि की कामना की। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह के प्रतीक इस पर्व की शुभकामनाएं दीं। वहीं, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रक्षाबंधन को भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और समर्पण का पवित्र प्रतीक बताते हुए देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने प्रार्थना की कि यह पर्व सभी के

जीवन में सुख, समृद्धि और खुशियां लेकर आए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खेलों की उड़ान, विकसित भारत की पहचान

खेलों ने भारत को दुनिया के सामने एक युवा, आत्मविश्वासी और प्रतिभाशाली राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन उपलब्धियों के बावजूद भारत को खेल महाशक्ति बनने के लिए लंबा रास्ता तय करना है। गांव-गांव तक अच्छे मैदान, प्रशिक्षित कोच, खेल विज्ञान केंद्र, पोषण सुविधाएं और आधुनिक उपकरण पहुंचाने होंगे। खेलों को केवल कुछ लोकप्रिय खेलों तक सीमित रखने के बजाय ओलंपिक और पारंपरिक भारतीय खेलों की व्यापक श्रृंखला को बढ़ावा देना होगा। स्कूलों में खेल का समय बढ़ाना, प्रतिभाशाली बच्चों की प्रारंभिक उम्र में पहचान करना और उन्हें शिक्षा के साथ खेल का समान अवसर देना आवश्यक है।

(लेखक- ललित गर्ग)

(राष्ट्रीय खेल दिवस-29 अगस्त, 2026 पर)

राष्ट्रीय खेल दिवस केवल एक महान खिलाड़ी की स्मृति को नमन करने का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र की खेल-चेतना को जगाने एवं खेल आयामों को नये शिखर देने का दिन है। 29 अगस्त को मनाया जाने वाला यह दिवस हॉकी के महानायक मेजर ध्यानचंद की जयंती से जुड़ा है। खेल किसी राष्ट्र की शक्ति का केवल प्रदर्शन नहीं होते, वे उसके आत्मविश्वास, अनुशासन, सामूहिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा के दर्पण भी होते हैं। आज जब भारत 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी तक विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, तब खेलों को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़ना समय की अनिवार्यता है। स्वस्थ नागरिक, अनुशासित युवा, विश्वस्तरीय खिलाड़ी और खेल-संस्कृति से संपन्न समाज-ये विकसित भारत की आधारशिलाएं हैं। 29 अगस्त 1905 को जन्मे मेजर ध्यानचंद भारतीय हॉकी के ऐसे जादूगर थे, जिन्होंने अपनी स्टिक से केवल गोल नहीं किए, बल्कि दुनिया के खेल मानचित्र पर भारत की पहचान अंकित की। 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम की स्वर्णिम सफलता में उनका योगदान ऐतिहासिक रहा। उनके खेल में कौशल के साथ राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और समर्पण का अद्भुत समन्वय था। उनके सम्मान में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाना वास्तव में उस खेल-दर्शन को याद करना है जिसमें प्रतिभा से बड़ा परिश्रम और व्यक्तिगत उपलब्धि से बड़ा राष्ट्र का गौरव होता है। ध्यानचंद की विरासत आज के खिलाड़ियों को यह संदेश देती है कि खेल का अंतिम लक्ष्य केवल पदक नहीं, बल्कि देश के लिए सम्मान अर्जित करना है। निश्चित तौर पर खेल अब मनोरंजन नहीं, राष्ट्रीय शक्ति हैं। एक समय भारत में खेलों को पढ़ाई या रोजगार के विकल्प के रूप में गंभीरता से नहीं देखा जाता था। आज परिस्थितियां तेजी से बदली हैं। क्रिकेट से आगे बढ़कर एथलेटिक्स, बैडमिंटन, कुश्ती, मुक्केबाजी, निशानेबाजी, भारोत्तोलन, हॉकी, टेबल टेनिस, तीरंदाजी, शतरंज और अनेक अन्य खेलों में भारतीय खिलाड़ी विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। नीरज चोपड़ा ने एथलेटिक्स में ओलंपिक स्वर्ण जीतकर भारतीय युवाओं को बताया कि ट्रैक और फील्ड में भी भारत विश्व विजेता बन सकता है। पी. वी. सिंधु ने बैडमिंटन में लगातार दो ओलंपिक पदक जीतकर नई पीढ़ी के लिए आदर्श स्थापित किया। मनु भाकर, डी. गुकेश, मीराबाई चानू, निकहत जरीन, लवलीना बोरगोहेन, अवनि लेखरा, हरमनप्रीत सिंह और अनेक खिलाड़ियों ने अलग-अलग खेलों में भारतीय प्रतिभा की व्यापकता सिद्ध की है। यह बदलाव किसी एक खिलाड़ी की सफलता नहीं, बल्कि बदलती हुई राष्ट्रीय खेल-संस्कृति का संकेत है।

टोक्यो 2020 में भारत ने सात पदक जीते और पेरिस 2024 में छह पदक हासिल किए। पदकों की संख्या भले ही अभी विकसित खेल राष्ट्रों के बराबर न हो, लेकिन भारतीय खेलों की चौड़ाई और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता लगातार बढ़ी है। पैरालंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन तो विशेष रूप से प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने यह मिथक तोड़ा है कि शारीरिक सीमाएं सफलता की सीमा निर्धारित करती हैं। भारत की वास्तविक उपलब्धि केवल पदकों में नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाले युवा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यह खेलों के लोकतंत्रीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण परिवर्तन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलों को राष्ट्रीय विकास और युवा सशक्तीकरण के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में सामने रखा है। 'खेलो इंडिया' जैसी पहल ने विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान तथा खेल अवसंरचना के विकास को गति दी है। टॉप्स-टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम के माध्यम से संभावित ओलंपिक पदक विजेताओं को लक्षित सहायता दी जाती है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स और विश्वविद्यालय खेलों ने युवाओं को प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराया है। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, पोषण, विदेशी प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण, वैज्ञानिक सहयोग और आर्थिक सहायता पर बढ़ता ध्यान इस बात का संकेत है कि खेल नीति अब केवल प्रतियोगिता आयोजित करने तक सीमित नहीं है। प्रतिभा की खोज से लेकर उसे विश्वस्तरीय खिलाड़ी बनाने तक एक समग्र खेल-परिसंस्था तैयार करने की कोशिश हो रही है।

जब हम 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएंगे, तब विकसित भारत की तस्वीर केवल ऊंची जीडीपी, आधुनिक सड़कों, अत्याधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय शहरों से पूरी नहीं होगी। विकसित भारत का वास्तविक अर्थ होगा-स्वस्थ नागरिक, ऊर्जावान युवा, मानसिक रूप से मजबूत समाज और विश्व मंच पर आत्मविश्वास से खड़ा राष्ट्र। इस लक्ष्य में खेलों की भूमिका निर्णायक है। खेल युवाओं को नशे, निष्क्रिय जीवनशैली और दिशाहीनता से दूर रख सकते हैं। वे समयबद्धता, लक्ष्य-निर्धारण, हार को स्वीकार कर पुनः प्रयास करने की क्षमता और नेतृत्व सिखाते हैं। खेल मैदान लोकतंत्र की तरह हैं-यहां प्रदर्शन, अनुशासन और योग्यता ही निर्णायक होते हैं। आज देश में फिटनेस और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने की जरूरत इसलिए भी है क्योंकि आर्थिक विकास तभी सार्थक होगा जब उसकी ऊर्जा स्वस्थ मानव संसाधन में परिवर्तित हो। फिट भारत ही उत्पादक भारत और शक्तिशाली भारत का आधार बन सकता है।

खेलों की एक और बड़ी शक्ति है-वे सीमाओं के पार संवाद स्थापित करते हैं। मैदान में प्रतिद्वंद्वी देश आमने-सामने होते हैं, लेकिन खेल के बाद वही खिलाड़ी एक-दूसरे के अनुभव, संस्कृति और मानवीय भावनाओं को समझते हैं। ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं देशों के बीच संवाद और सद्भाव का माध्यम बनती हैं। भारत की खेल उपलब्धियां उसकी सॉफ्ट पावर को मजबूत करती हैं। जब भारतीय खिलाड़ी विश्व मंच पर तिरंगा फहराते हैं और राष्ट्रगान गूंजता है, तो करोड़ों भारतीयों में एक साथ गर्व और एकता की अनुभूति पैदा होती है। खेलों ने भारत को दुनिया के सामने एक युवा, आत्मविश्वासी और प्रतिभाशाली राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन उपलब्धियों के बावजूद भारत को खेल महाशक्ति बनने के लिए लंबा रास्ता तय करना है। गांव-गांव तक अच्छे मैदान, प्रशिक्षित कोच, खेल विज्ञान केंद्र, पोषण सुविधाएं और आधुनिक उपकरण पहुंचाने होंगे। खेलों को केवल कुछ लोकप्रिय खेलों तक सीमित रखने के बजाय ओलंपिक और पारंपरिक भारतीय खेलों की व्यापक श्रृंखला को बढ़ावा देना होगा। स्कूलों में खेल का समय बढ़ाना, प्रतिभाशाली बच्चों की प्रारंभिक उम्र में पहचान करना और उन्हें शिक्षा के साथ खेल का समान अवसर देना आवश्यक है। महिला खिलाड़ियों, दिव्यांग खिलाड़ियों और आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाओं के लिए विशेष अवसर और सुरक्षित वातावरण भी सुनिश्चित करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन मानसिकता में होना चाहिए। खेल में हार असफलता नहीं, अगली जीत की तैयारी है। यह भावना यदि शिक्षा और जीवन में भी उतर जाए तो भारत की युवा शक्ति असाधारण परिणाम दे सकती है।

खेल केवल पदक नहीं देते, वे रोजगार और अर्थव्यवस्था भी बनाते हैं। स्टेडियम, खेल उपकरण, स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी, फिटनेस उद्योग, खेल प्रसारण, पर्यटन, कोचिंग, स्पोर्ट्स मेडिसिन और डेटा एनालिटिक्स जैसे अनेक क्षेत्रों में नए अवसर पैदा हो रहे हैं। भारत में खेल-आधारित स्टार्टअप और तकनीकी नवाचारों की संभावनाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। अर्थात खेलों में निवेश केवल खिलाड़ियों पर खर्च नहीं, बल्कि भविष्य की मानव पूंजी और नई अर्थव्यवस्था में निवेश है। इसलिये राष्ट्रीय खेल दिवस हमें एक महत्वपूर्ण संकल्प लेने का अवसर देता है-हर बच्चा खेले, हर युवा फिट रहे और हर प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर मिले। हमें ऐसी खेल संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें अभिभावक खेल को समय की बर्बादी न समझें, विद्यालय खेल को अतिरिक्त गतिविधि न मानें और समाज खिलाड़ी को केवल पदक जीतने के बाद सम्मान न दे।

2047 का विकसित भारत यदि दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होना चाहता है तो उसे खेलों में भी अग्रणी राष्ट्र बनना होगा। आर्थिक शक्ति और खेल शक्ति एक-दूसरे की पूरक हैं। जिस देश के युवा मैदान में लक्ष्य साधना सीखते हैं, वे जीवन में भी बड़े लक्ष्य हासिल करने की क्षमता रखते हैं।

राष्ट्रीय खेल दिवस इसलिए केवल ध्यानचंद को श्रद्धांजलि का दिवस नहीं; यह भारत की युवा शक्ति को जगाने, खेल को जीवन का हिस्सा बनाने और विकसित भारत के निर्माण में खेलों को राष्ट्रीय अभियान बनाने का दिवस है। आज आवश्यकता है कि हम ध्यानचंद की खेल-प्रतिभा, नीरज की दृढ़ता, सिंधु के संघर्ष, मनु भाकर के आत्मविश्वास और हमारे हजारों उभरते खिलाड़ियों के सपनों को एक राष्ट्रीय संकल्प में बदलें। 2047 का भारत केवल आर्थिक रूप से समृद्ध न हो, बल्कि शरीर से स्वस्थ, मन से मजबूत, चरित्र से अनुशासित और खेल के मैदान में विश्वविजयी भारत बने-यही राष्ट्रीय खेल दिवस का सबसे सार्थक संदेश है।

संपादकीय

भयावह हिमालयी त्रासदी

बीते बुधवार को नेपाल में आई भयावह जल-प्रलय जैसी घटना में हुई जन-धन की हानि ने प्रकृति के विकराल रूप के सामने हमारी लाचारी को ही दर्शाया है। वहीं भीषण बाढ़ से हुई तबाही ने हिमालयी इलाके में बढ़ते जलवायु जोखिमों और आपदा से निपटने की हमारी तैयारियों में गंभीर चूकों को भी उजागर किया है। इस प्राकृतिक रौद्र में नेपाली लोगों और विदेशियों समेत मरने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही नेपाल के कई जिलों में पुलों, सड़कों व सार्वजनिक संपत्तियों को भारी नुकसान भी पहुंचा है। निस्संदेह, यह विकराल प्राकृतिक आपदा हिमालयी क्षेत्रों में स्थित दक्षिण एशियाई देशों और उनके बाहरी इलाकों के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। शुरुआती आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर टूटने और चट्टानों के खिसकने से भोटेकोशी नदी की सहायक नदी ल्हेन्डे का बहाव रुक गया था, बाद में बढ़ते पानी व मलबे के दबाव से कृत्रिम बांध टूटने से नदी में बाढ़ आ गई। जिसके फलस्वरूप पहाड़ी ढलानों में तेज गति से पानी व मलबा नीचे की ओर रौद्र रूप से बहने लगा। अब भले ही इस तबाही की मूल वजह हिमखंड टूटना, ग्लेशियर झील का फटना, जमीन का खिसकना बताया जा रहा हो, लेकिन हकीकत यह है कि हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक दुर्घटनाओं के लिये हिमालयी पहाड़ बेहद खतरनाक बनते जा रहे हैं। दरअसल, हिमालयी पर्वत श्रृंखलाओं में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और इसके चलते खतरनाक ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। जिनमें से कई को भविष्य के लिये खतरनाक माना जा रहा है। इस आसन्न संकट में ग्लोबल वार्मिंग की भी बड़ी भूमिका है। वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि बढ़ता तापमान ग्लेशियरों की पीछे हटने की रफ्तार को बढ़ा रहा है। हाल के वर्षों में बर्फबारी और बारिश के पैटर्न में तेजी से बदलाव भी आ रहा है। जो पहाड़ी ढलानों को अस्थिर बना रहा है। बहुत संभव है कि जलवायु परिवर्तन भले ही हिमालय में होने वाली प्राकृतिक आपदाओं का एकमात्र कारण न हो, लेकिन यह परिवर्तन ऐसी स्थितियां जरूर पैदा कर रहा है, जहां प्राकृतिक आपदाओं की पुनरावृत्ति बढ़ जाए और वे ज्यादा विनाशकारी साबित हों। यही वजह है कि नेपाल में अचानक आई इस बाढ़ को एक बड़े और तेजी से गंभीर होते क्षेत्रीय बदलाव के रूप में देखा जाना चाहिए। आज आपदा के बाद राहत व पुनर्वास को प्राथमिकता बनाने के अलावा समय पूर्व चेतावनी देने वाले सिस्टम को मजबूत करने की जरूरत है। निश्चित रूप से समय रहते आपदा आने की चेतावनी देने वाले सिस्टम से हजारों जिंदगियां बचायी जा सकती हैं। ऐसी आपदाओं में हम संरचनात्मक ढांचे को तो तबाह होने से नहीं रोक सकते हैं, लेकिन जीवन व मृत्यु के अंतर को तो कम कर ही सकते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि नदियां भौगोलिक व राजनीतिक सीमाओं को नहीं मानती हैं, अतः क्षेत्र के देशों में आपसी सहयोग बढ़ाने के प्रयास तेज करने होंगे। इस त्रासदी के बाद कहा गया कि चीन यदि समय रहते आपदा की सूचना दे देता तो सैकड़ों लोगों की जान बचायी जा सकती थी। बहरहाल, चीन व नेपाल को अब यह सुनिश्चित करना होगा कि भूस्खलन, ग्लेशियर झीलों, हिमस्खलन और हिमालयी क्षेत्र की नदियों के किसी भी असामान्य व्यवहार को तुरंत दोनों देशों में साझा किया जाए। यह कोशिश उन तमाम देशों के बीच शुरू होनी चाहिए, जिनकी सीमाओं से ये नदियां गुजरती हैं। भारत भी वर्ष 2013 में केदारनाथ की भयानक त्रासदी झेल चुका है। अब भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये किसी तरह की उदासीनता नहीं बरती जा सकती है।

धार्मिक स्वतंत्रता के मुद्दे पर अमेरिकी संस्था से मोदी सरकार का फिर टकराव

(लेखक- प्रो. प्रदीप माथुर)

अमेरिकी कांग्रेस की धार्मिक स्वतंत्रता संबंधी संस्था ने एक बार फिर मोदी सरकार पर भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों को दबाने का आरोप लगाया है। इसकी सह-अध्यक्ष नादिन मेन्ज़ा स्वयं को गर्वित ईसाई बताती हैं और राष्ट्रपति ट्रम्प की पसंदीदा मानी जाती हैं। उन्होंने यह कदम ट्रम्प के कहने पर भारत पर दबाव बनाने के लिए उठाया है या संस्था वास्तव में ऐसा महसूस करती है, यह अनुमान का विषय है। हालांकि, मोदी सरकार इस बात से काफी नाराज़ है कि नादिन मेन्ज़ा ने इस बार आरएसएस और उसके प्रमुख मोहन भागवत को निशाना बनाया है। आरएसएस, भाजपा का वैचारिक स्रोत और उसकी वैचारिक मातृसंस्था है। राहुल गांधी तथा कांग्रेस के अन्य नेताओं द्वारा आरएसएस पर लगातार किए जा रहे हमलों के साथ मिलकर यूएससीआईआरएफ की यह कार्रवाई प्रधानमंत्री मोदी के लिए विशेष रूप से असहज करने वाली है।

लगातार सात वर्षों से यूएससीआईआरएफ ने अमेरिकी विदेश विभाग से सिफारिश की है कि वह भारत को धार्मिक स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघनों के कारण 'विशेष चिंता वाला देश' घोषित करे। भारत सरकार ने यूएससीआईआरएफ के आकलनों को पक्षपातपूर्ण बताते हुए बार-बार खारिज किया है। इसके बावजूद आयोग का कहना है कि उसके निष्कर्ष विभिन्न धार्मिक समुदायों से जुड़े लोगों के साथ किए गए शोध, सुनवाइयों और उनके बयानों पर आधारित हैं।

यूएससीआईआरएफ ने भारत के धर्मांतरण-विरोधी कानूनों की आलोचना की है। उसका तर्क है कि यद्यपि ये कानून देखने में सभी धर्मों के लिए समान हैं, लेकिन इनका प्रभाव उन अल्पसंख्यकों पर असमान रूप से पड़ा है जो अपना धर्म बदलना चाहते हैं। उसने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लेकर भी चिंता जताई है, विशेषकर देशव्यापी राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के साथ इसे देखते हुए। आयोग ने आशंका व्यक्त की है कि इससे बड़ी संख्या में भारतीय मुसलमानों के बाहर रह जाने की स्थिति पैदा हो सकती है।

उसकी 2026 की रिपोर्ट इससे एक कदम आगे बढ़ गई है। इसमें स्वयं आरएसएस को धार्मिक स्वतंत्रता के कथित गंभीर उल्लंघनों से जोड़ा गया है और कुछ अधिकारियों के खिलाफ लक्षित प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई है।

यूएससीआईआरएफ का मानना है कि आरएसएस केवल पत्रकारों या सामाजिक संगठनों द्वारा आलोचना की जाने वाली संस्था नहीं है। वह भाजपा की वैचारिक मातृसंस्था है, जो एक दशक से अधिक समय से भारत में सत्ता में है। ऐसे समय में जब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत अमेरिका की यात्रा पर हैं, यूएससीआईआरएफ ने उनसे कहा है कि वे उन लोगों से सीधे संवाद के लिए तैयार रहें जिन्होंने भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों की एक बिल्कुल अलग तस्वीर सामने रखी है। नादिन मेन्ज़ा का कहना है कि ऐसा संवाद विशेष रूप से आवश्यक है क्योंकि मोहन भागवत अमेरिकी दर्शकों के सामने आरएसएस को एकता और सद्भाव की शक्ति के रूप में प्रस्तुत करना चाहते हैं।

न्यूयॉर्क के युवा और तेजतर्रार मेयर ज़ोहरान ममदानी, जो विचारधारा से समाजवादी हैं और भारतीय मूल के मुस्लिम-हिंदू माता-पिता के पुत्र हैं, मोहन भागवत की यात्रा का खुलकर विरोध कर रहे हैं। यदि उनके हाथ में होता, तो शायद वे उन्हें अमेरिका आने की अनुमति ही नहीं देते।

भागवत से कहा जा रहा है कि वे भारतीय-अमेरिकी समुदायों के मुस्लिम, ईसाई, सिख और दलित संगठनों के प्रतिनिधियों से मिलें, जिन्होंने भारत की हिंदुत्व राजनीति को लेकर चिंता व्यक्त की है। चूंकि धार्मिक स्वतंत्रता किसी एक राजनीतिक दल का मुद्दा नहीं हो सकती, इसलिए यदि भागवत की यात्रा के दौरान केवल उनके समर्थक या अनुकूल विचार रखने वाले लोगों के साथ कार्यक्रम किए जाते हैं, तो उसे एकता पर संवाद नहीं माना जाएगा। यदि वे

असहज करने वाली आवाज़ों को सुनने से बचते हैं, तो यह न तो संवाद होगा और न ही एकता की यात्रा।

अमेरिका में भारत के धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार को लेकर चिंता किसी एक घटना तक सीमित नहीं है। ईसाइयों पर हमलों, मस्जिदों और मदरसों के ध्वस्तीकरण, सांप्रदायिक हिंसा और भेदभाव की खबरों ने अमेरिकी समाज के विभिन्न वर्गों में लगातार बहस और चिंता पैदा की है।

इसलिए मोहन भागवत के सामने उनकी अमेरिकी यात्रा के दौरान एक सीधी चुनौती है- यूएससीआईआरएफ के आयुक्तों से मिलें, उनके निष्कर्ष सुनें और आमने-सामने उनका जवाब दें। यदि आरएसएस संगठन के बारे में अपनी दृष्टि में मौजूद गलत धारणाओं को दूर करना चाहता है, तो ऐसी बैठक मोहन भागवत के लिए रक्षात्मक मुद्रा अपनाने के बजाय पूरे आत्मविश्वास के साथ अपना पक्ष रखने का अवसर होगी।

(वरिष्ठ पत्रकार और मीडिया गुरु प्रो. प्रदीप माथुर **Mediamap** के संपादक तथा **MBKM Foundation** के अध्यक्ष हैं। यह संस्था स्वैच्छिक सामाजिक कार्य के लिए समर्पित गैर-लाभकारी संगठन है।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है।

बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साथ उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

विचार मंथन

अपनों के खून से रंगी अस्मिता की लड़ाई

(लेखक - सनत जैन)

मध्य प्रदेश के उज्जैन में करणी सेना के दो गुटों के बीच एक ढाबे में विवाद हो गया। झगड़ा इस कदर बढ़ा कि दो लोगों की मौत हो गई। दोनों गुट हथियार लेकर ढाबे में पहुंचे थे और विवाद बढ़ने पर बीच बचाव में ढाबा मालिक सहित दो लोगों की मौत हो गई। इसे केवल दो गुटों की आपसी हिंसा की घटना मानकर भुला देना आसान है। इस घटना ने कई असहज सवाल हमारे सामने खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जो संगठन स्वयं को हिंदू अस्मिता और समाज की रक्षा का प्रहरी बताता है, कथित उसके ही लोग जब आपस में भिड़कर एक-दूसरे की जान लेने लगें, तो आखिर उस अस्मिता और उस संरक्षण का अर्थ क्या रह जाता है? यह घटना किसी एक संगठन की आलोचना तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह हमारे पूरे सामाजिक चरित्र पर विचार करने का अवसर है। इतिहास गवाह है कि सत्ता, प्रतिष्ठा, अधिकार और स्वार्थ के लिए संघर्ष करने में मनुष्य ने कभी बाहरी शत्रु का इंतजार नहीं किया। राजघरानों और योद्धा समुदायों के इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जब अपने ही लोग सत्ता और राज्य के लिए एक-दूसरे के विरुद्ध खड़े हुए। युद्ध किसी भी नाम से लड़ा गया हो, उसकी सबसे बड़ी कीमत अक्सर वह सामान्य व्यक्ति चुकाता रहा, जो अपने परिवार का पेट पालने के लिए सेना का हिस्सा बना था। यह भारत के लिए कुछ नया नहीं है, सत्ता की लड़ाई में हजारों वर्षों का इतिहास है। जब राजपूतों ने राजपूतों के साथ लड़ाई लड़ी, एक दूसरे को हराया और एक दूसरे के राज्य को छीना है। एक दूसरे के ऊपर शासन करने के लिए राजपूतों ने अपने ही लोगों पर हमले किए हैं। इन हमलों में हमेशा सेना के रूप में गरीब आदमी मारा गया, जो अपने परिवार को पालने के लिए सेना में शामिल होता था। अब लोकतांत्रिक व्यवस्था में वही स्वरूप फिर देखने को मिल रहा है। आज लोकतंत्र के दौर में तलवारों और राजसिंहासनों की जगह राजनीति, संगठन, विचारधारा और सामाजिक प्रतिष्ठा ने ले ली है, लेकिन मनुष्य का स्वार्थ यदि वही रहा तो संघर्ष का परिणाम भी बहुत अलग नहीं होगा। फर्क सिर्फ इतना है कि आज किसी राज्य को जीतने के लिए युद्ध नहीं होता, लेकिन वर्चस्व, प्रभाव और व्यक्तिगत हितों की लड़ाई में अपने ही लोग एक-दूसरे के दुश्मन बन जाते हैं। उज्जैन की घटना इसी विडंबना को सामने लाती है। किसी संगठन की विचारधारा चाहे जितनी बड़ी हो, उसके कार्यकर्ताओं का आचरण ही उस विचारधारा की वास्तविक पहचान बनता है। यदि हिंदू अस्मिता की रक्षा के नाम पर निकले लोग ही क्रोध, हिंसा और हथियारों का सहारा लें, तो यह आत्ममंथन का विषय है। अस्मिता केवल नारे लगाने से सुरक्षित नहीं होती। वह समाज में अनुशासन, करुणा, संयम और न्याय की भावना से सुरक्षित होती है। हमारे समाज में परिवार भी इसका छोटा-सा उदाहरण है। रिश्ते इसलिए मजबूत नहीं होते कि उनमें अधिकार अधिक होता है, बल्कि इसलिए मजबूत होते हैं कि उनमें विश्वास और प्रेम होता है। परिवार में सबसे अधिक विवाद भी अक्सर अपनों के बीच ही होते हैं। संपत्ति, सम्मान, अधिकार, अपेक्षाएं और अहंकार कई बार भाई को भाई से, पति को पत्नी से और संतान को माता-पिता से दूर कर देते हैं। लड़ाई के लिए हमें किसी बाहरी व्यक्ति की जरूरत नहीं पड़ती; हमारा स्वार्थ ही कई बार पर्याप्त होता है। यही प्रवृत्ति जब सामाजिक और राजनीतिक जीवन में प्रवेश करती है तो उसका स्वरूप और भयावह हो जाता है। हर व्यक्ति अपने सम्मान को सर्वोच्च मानने लगे, हर समूह अपने हित को समाज से बड़ा समझने लगे और हर असहमति को दुश्मनी मान लिया जाए, तो सामाजिक सद्भाव की नींव कमजोर होना स्वाभाविक है। भारत की विकास यात्रा में सामाजिक शांति और सद्भाव की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। स्वतंत्रता के बाद देश ने अनेक चुनौतियों के बावजूद शिक्षा, उद्योग, कृषि, विज्ञान, तकनीक और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में लंबी यात्रा तय की। इसके पीछे केवल आर्थिक नीतियां नहीं थीं; समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच सहयोग और साझा भविष्य की भावना भी महत्वपूर्ण थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धर्म, जाति, पहचान और विचारधारा के नाम पर जिस तरह की कटुता बढ़ी है, वह चिंता का विषय है। जब सार्वजनिक जीवन में नफरत सामान्य व्यवहार का हिस्सा बनने लगे तो उसका असर धीरे-धीरे घरों और रिश्तों तक पहुंचता है। नफरत की खेती का सबसे बड़ा नुकसान यही है कि वह पहले 'दूसरे' को निशाना बनाती है और धीरे-धीरे 'अपने' को भी संदिग्ध बना देती है। आज जिस व्यक्ति को हम अपने विचार का साथी मानते हैं, कल किसी छोटे मतभेद के कारण वही विरोधी नजर आने लगता है। इसके बाद संवाद की जगह आरोप, असहमति की जगह दुश्मनी और तर्क की जगह हिंसा ले लेती है। उज्जैन की घटना इसलिए चेतावनी है। हमें यह तय करना होगा कि हमारी पहचान हमें जोड़ने का माध्यम बनेगी या लड़ने का हथियार। किसी भी संगठन, धर्म या विचारधारा की वास्तविक ताकत उसके अनुयायियों की संख्या या उनके नारों में नहीं, बल्कि उनके व्यवहार में दिखाई देती है। समाज को यह समझना होगा कि प्रेम कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक शक्ति है। जिस परिवार में माता-पिता का सम्मान होता है, पति-पत्नी के बीच विश्वास होता है, भाई-बहनों के बीच सहयोग होता है और पड़ोसी एक-दूसरे के सुख-दुख में खड़े होते हैं, वही परिवार मजबूत होता है। यही सिद्धांत समाज और राष्ट्र पर भी लागू होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने का भाव 1,57,911 और चांदी 2,40,181 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सोना या चांदी खरीदने का मन बना रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। शुक्रवार को घरेलू वायदा बाजार सहित अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में नरमी देखने को मिली। इस गिरावट से खरीदारों को थोड़ी राहत मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर वाला वायदा भाव 637 रुपये गिरकर 1,58,359 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। कारोबार के दौरान सोने का भाव 1,57,911 रुपये तक नीचे गया, जबकि इसका ऊपरी स्तर 1,58,996 रुपये रहा। इसी तरह, चांदी में भी गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर 4 सितंबर वाली चांदी 470 रुपये यानी 0.20 फीसदी गिरकर 2,40,181 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। इसका निचला स्तर 2,39,049 रुपये और ऊपरी स्तर 2,40,651 रुपये रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार का हाल- घरेलू बाजार की तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं पर दबाव दिखा। कॉमेक्स पर सोना 0.62 फीसदी गिरकर 4,635.20 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी 0.79 फीसदी गिरकर 68.880 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। सोने की गिरावट की बड़ी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वार्श के जैक्सन होल में होने वाले संबोधन से पहले निवेशकों की सावधानी है। इसके अलावा, सोने-चांदी की कीमतों पर अमेरिकी महंगाई के आंकड़ों का भी असर पड़ा है। अमेरिका में फेड की नजर में अहम माने जाने वाले महंगाई के आंकड़ों में तेजी के बाद बॉन्ड यील्ड और डॉलर को मजबूती मिली, जिसके चलते सोने-चांदी में मुनाफावसूली देखने को मिली। दरअसल, सोना कोई ब्याज नहीं देता है। ऐसे में जब अमेरिका में ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची रहने या आगे बढ़ने की संभावना बढ़ती है, तो निवेशकों के लिए बॉन्ड जैसे विकल्प अधिक आकर्षक हो सकते हैं, जिससे सोने पर दबाव बढ़ता है।

टीवीएस मोटर ने पेमैन कारगर को सीईओ, निदेशक नियुक्त किया

मुंबई।

टीवीएस मोटर कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि उसने वृद्धि के अपने अगले चरण को समर्थन देने के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के अपने अध्यक्ष पेमैन कारगर को निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। टीवीएस मोटर कंपनी ने एक बयान में कहा कि पेमैन की नियुक्ति अगले साल 27 जनवरी से प्रभावी होगी और वह केएन राधाकृष्णन का स्थान लेंगे। बयान में कहा गया कि अपनी नई भूमिका में, पेमैन कंपनी का नेतृत्व करेंगे क्योंकि कंपनी उत्पाद नवाचार, प्रीमियमीकरण और विकसित बाजारों में विस्तार के माध्यम से भारत और विश्व स्तर पर अपने व्यापार को और बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भौगोलिक संदर्भटीवीएस मोटर कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा` कि यह नियुक्ति टीवीएस मोटर कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि हम भविष्य की तैयारी कर रहे हैं। पेमैन रणनीतिक नजरिये और ग्राहकों तथा बाजारों की मजबूत समझ वाले एक कुशल वैश्विक नेता हैं।

मीठा हुआ कड़वा! चीनी की महंगाई से बिस्किट, चॉकलेट और मिठाई होंगी महंगी

- महंगाई का सीधा असर ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज जैसी प्रमुख कंपनियों पर पड़ेगा

नई दिल्ली । मीठे के शौकीनों के लिए बुरी खबर है। चीनी की आसमान छूती कीमतों के कारण अब बिस्किट, चॉकलेट, मिठाई और कोल्ड ड्रिंक्स जैसे उत्पाद महंगे होने की आशंका है। एक वैश्विक ब्रोकरेज फर्म के एक विश्लेषण के मुताबिक, इस महंगाई का सीधा असर ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज जैसी प्रमुख कंपनियों पर पड़ेगा, जिससे उनका मुनाफा प्रभावित होगा। ब्रोकरेज फर्म के आकलन में ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज पर सबसे अे धिक मार पड़ने का अनुमान है, क्योंकि कंपनी के उत्पादों में चीनी और पाम ऑयल की लागत काफी ज्यादा है। छोटे और कम कीमत वाले पैकेजों के कारण कंपनी के लिए बढ़ी हुई लागत ग्राहकों पर डालना चुनौती होगा, जिससे मुनाफे पर सीधा असर पड़ेगा। नेस्ले इंडिया और वरुण बेवरेजेज भी प्रभावित होंगी। इस संकट के पीछे कई कारण हैं। भारत में त्योहारी सीजन की बढ़ी मांग और खराब मॉनसून से गन्ने की फसल को हुए नुकसान के चलते चीनी का उत्पादन घटा। पिछले एक महीने में दाम करीब 10त बढ़ चुके हैं। वैश्विक स्तर पर भी ब्राजील में खराब मौसम और एथेनॉल उत्पादन, भारत, थाईलैंड व यूरोप में कम उपज से संकट गहराया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 330, निफ्टी 84 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददरी हावी रहने से आया है। इसके साथ ही दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 330.92 अंक बढ़कर 77,264.51 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 84.80 अंक उछलकर 24,175.65 पर बंद हुआ। इससे पिछले दो दिनों से जारी गिरावट भी रुक गयी।

आज व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.05 फीसदी और 0.20 फीसदी की बढ़त रही। वहीं क्षेत्रवार देखें तो, निफ्टी आईटी सबसे आगे बढ़ने वाला क्षेत्र रहा। इसमें 3.51 फीसदी उछाल आया। इसके अलावा, निफ्टी मेटल, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में भी तेजी रहीं। वहीं इसके विपरीत, निफ्टी केमिकल्स, निफ्टी सीमेंट, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी ऑटो के शेयरों में गिरावट आई।

निफ्टी इंडेक्स में टीसीएस, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक और विप्रो के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही और ये दिन के सबसे अधिक उछाल वाले शेयर रहे। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, श्रीराम फाइनेंस, आईटीसी और

अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स ने 77,128.05 पर खुलने के बाद तेजी पकड़ी। वहीं निफ्टी ने आज 24,122.60 पर अपनी शुरुआत करते हुए गति पकड़ी । दूसरी ओर एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। जापान का निक्केई 225 करीब 0.82 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहा था, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.14 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा था। एनवीडिया के बेहतर बिक्री अनुमान के बाद बाजार में दिखा शुरुआती उत्साह भी कुछ कम हुआ है।

रुपया 94 तक मजबूत होने की कगार पर?

आरबीआई की रणनीति और भारी डॉलर आवक से मिलेगा सहारा

नई दिल्ली । भारतीय रुपये ने शुक्रवार को ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं दिखाया, लेकिन बाजार` विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में रुपये में बड़ी मजबूती दिख सकती है। उनके मुताबिक रुपया डॉलर के मुकाबले 94 के स्तर तक मजबूत हो सकता है। यह अनुमान रिजर्व बैंक की कुशल रणनीति और देश में भारी डॉलर आवक पर आधारित है। फिलहाल डॉलर के मुकाबले रुपया 95 से 96 के दायरे में रह सकता है। हालांकि, उनका मानना है कि अगर डॉलर 95 रुपये से नीचे बंद होता है, तो आगे यह 94 रुपये की तरफ जा सकता है, जिससे डॉलर सस्ता और रुपया और मजबूत होगा। इस मजबूती की मुख्य वजह भारी डॉलर आवक है। रिजर्व बैंक की विशेष स्वैप सुविधा के तहत 21 अगस्त तक लगभग 73 अरब डॉलर का निवेश आ चुका है, जिसमें से 65 अरब डॉलर से अधिक की रकम जमाओं के जरिए आई है। इन जमाओं की समयसीमा 31 अगस्त है, जबकि विदेशी कर्ज सुविधा दिसंबर तक खुली है। बनर्जी का अनुमान है कि इन योजनाओं से कुल 85 से 90 अरब डॉलर की रकम आ सकती है, जो 2013 की समान योजना से करीब ढाई गुना अधिक है।` विशेषज्ञ बताते हैं कि रिजर्व बैंक ने इस आवक के एक बड़े हिस्से को अपने विदेशी मुद्रा भंडार में समाहित किया है। 5 जून से 14 अगस्त के बीच देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 35 अरब डॉलर बढ़कर 716.9 अरब डॉलर हो गया है। यह ऐसे समय हुआ है जब कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के दौरान आरबीआई ने रुपये को स्थिर रखने के लिए बाजार में डॉलर बेचे थे। आरबीआई ने डॉलर को सीधे बाजार में आने देने के बजाय इसे भंडार में रखकर रुपये को सहारा दिया और भविष्य की जरूरतों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच तैयार किया।

कच्चे तेल की कीमतों में फिर गिरावट

ब्रेंट 88 डॉलर के करीब, डब्ल्यूटीआई लगभग 83.76 डॉलर

नई दिल्ली ।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में शुक्रवार सुबह एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड का नवंबर वायदा 0.36 फीसदी टूटकर 88.20 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड का अक्टूबर वायदा भी 0.25 फीसदी की गिरावट के साथ 83.32 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, जो आम तौर पर तेल की कीमतों में उछाल लाता है।दिनभर के कारोबार में ब्रेंट क्रूड 88.10 से 88.73 डॉलर के दायरे में रहा, जबकि डब्ल्यूटीआई 83.03 से 83.76 डॉलर के बीच कारोबार करता दिखा। हालांकि, इस बार बाजार की प्रतिक्रिया अलग है। आम तौर पर पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने पर वैश्विक तेल आपूर्ति में रुकावट की आशंका से कीमतें बढ़ती हैं, लेकिन इस बार बाजार में ऐसी कोई चिंता नहीं दिख रही है। यही कारण है कि ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे आ गया है। पूरे हफ्ते की बात करें तो कच्चे तेल में अच्छी-खासी कमजोरी देखी गई है। इस सप्ताह ब्रेंट क्रूड में लगभग 5.3 फीसदी और डब्ल्यूटीआई में करीब 4.3 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। यदि शुक्रवार को भी यह कमजोरी बनी रहती है, तो यह लगातार दो हफ्तों की तेजी के बाद कच्चे तेल की पहली साप्ताहिक गिरावट होगी।

कंपनियों की राजस्व वृद्धि में सुस्ती तय, परिचालन लाभ मार्जिन भी घटेगा: इका

वैश्विक मांग में कमजोरी और ग्रामीण खपत पर जोखिम से दूसरी तिमाही में दिखेगा असर

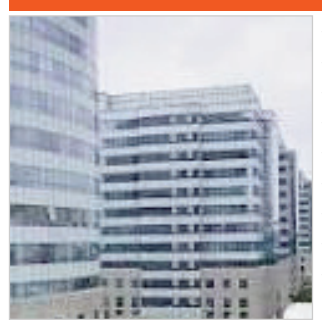

मुंबई ।

रेटिंग एजेंसी इक्रा (आईसीआरए) ने भारतीय कंपनियों के लिए चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में राजस्व वृद्धि में उल्लेखनीय गिरावट का अनुमान जताया है। एजेंसी के अनुसार यह वृद्धि पहली तिमाही के 21.3 प्रतिशत से घटकर 13-15 प्रतिशत रह सकती है, जबकि परिचालन लाभ मार्जिन में भी 1 से 1.5 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। कमजोर वैश्विक मांग और ग्रामीण खपत पर संभावित जोखिम को इसका मुख्य कारण बताया गया है। इक्रा के एक अे धिकारी ने बताया कि वैश्विक मांग में कमजोरी से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और परिधान जैसे निर्यात-उन्मुख क्षेत्र प्रभावित होंगे।

हालांकि, वाहन, खुदरा, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तु और आतिथ्य जैसे घरेलू खपत पर निर्भर क्षेत्रों की राजस्व वृद्धि अपेक्षाकृत बेहतर रह सकती है। उन्होंने आगाह किया कि अगस्त-सितंबर में सामान्य से कम बारिश का अनुमान कृषि उत्पादन और ग्रामीण खपत के लिए जोखिम पैदा कर सकता है, जिससे खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ने की आशंका है। कच्चे माल, ईंधन और पैकेजिंग की ऊंची लागत से भी कंपनियों के परिचालन लाभ मार्जिन पर दबाव बना रहेगा। तेलशोधन, विमानन, एफएमसीजी और सीमेंट जैसे ऊर्जा-गहन क्षेत्रों पर कच्चे तेल और संबंधित उत्पादों की बढ़ती कीमतों का सीधा असर पड़ सकता है। हालांकि, कई कंपनियां इन बढ़ी हुई लागतों का बोझ ग्राहकों पर डालने का प्रयास कर रही हैं। धातु एवं खनन, तेल एवं गैस उत्पादन और दूरसंचार जैसे कुछ क्षेत्र अनुकूल कीमतों और परिचालन दक्षता के कारण अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में रहेंगे। इक्रा ने यह भी कहा कि मार्जिन पर दबाव के बावजूद भारतीय कंपनियों की ऋण संबंधी स्थिति मजबूत बनी रहने की संभावना है।

मुंबई में दूध 9 रुपए महंगा, अब 102 रुपये लीटर तक पहुंचा दाम

उत्पादन लागत में वृद्धि के चलते हुआ इजाफा, 1 सितंबर से प्रभावी होंगी नई दरें

मुंबई ।

मुंबई के उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगा है। दूध उत्पादकों ने दूध की कीमतों में 9 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी का ऐलान किया है, जिससे अब एक लीटर दूध 93 रुपए की जगह 102 रुपए में मिलेगा। ये नई दरें 1 सितंबर 2026 से लागू होंगी और 28 फरवरी 2027 तक प्रभावी रहेंगी, जिससे त्योहारों और सर्दियों के मौसम में लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। दूध रोजमर्रा की जरूरत का हिस्सा होने के कारण इस बढ़ोतरी का सीधा असर परिवारों के मासिक बजट पर पड़ सकता है। दूध उत्पादकों ने इस मूल्यवृद्धि का मुख्य कारण उत्पादन लागत में लगातार हो रही बढ़ोतरी बताया है। डेयरी पशुओं की खरीद से लेकर उनके चारे और पशु आहार की कीमतें बेतहाशा बढ़ी हैं। उत्पादकों के मुताबिक, पशु आहार में इस्तेमाल होने वाले अनाज, तूर चुनी और चना चुनी जैसे उत्पादों की कीमतों में करीब 25 फीसदी तक का उछाल आया है। इसके अलावा, खली और अन्य आवश्यक पशु आहार भी महंगे हो गए हैं, जिससे पशुपालन का कुल खर्च काफी बढ़ गया है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर आम परिवारों के मासिक बजट पर पड़ेगा, क्योंकि दूध रोजमर्रा की जरूरत का हिस्सा है। त्योहारों के मौसम में दूध की खपत बढ़ने के कारण मिठाई और अन्य डेयरी उत्पादों की लागत भी बढ़ने की आशंका है। दूध उत्पादकों का कहना है कि बढ़ती लागत के साथ मौजूदा दरों पर कारोबार चलाना असंभव हो गया था, जिसके बाद यह कठोर फैसला लेना पड़ा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 4 पैसे की तेजी के साथ ही 95.45 पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी निकासी और कच्चे तेल की आपूर्ति में लगातार बाधा आने से भी शुरुआती कारोबार में रुपया 10 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.55 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपय थोड़ा कमजोर होने और कच्चे तेल की कीमतों के 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने से घरेलू मुद्रा में तेज गिरावट पर लगाम लगी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 95.54 पर खुला और फिर फिसलकर 95.55 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया गुरुवार को शुरुआती बढ़त गंवाने के बाद अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक पैसे की गिरावट के साथ 95.45 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी गिरकर 99.14 पर बंद हुआ था।

सुभाष चंद्रा के 6.25 करोड़ के समाधान प्लान पर एचडीएफसी बैंक की आपत्ति

एनसीएलटी के फैसले को एनसीएलएटी में चुनौती देने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली ।

देश का सबसे बड़ा प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक, एस्सेल समूह के संस्थापक सुभाष चंद्रा से जुड़े एक मामले में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) के फैसले को नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) में चुनौती देने पर विचार कर रहा है। बैंक 22,000.57 करोड़ रुपये के स्वीकार किए गए दावों के मुकाबले चंद्रा द्वारा व्यक्तिगत गारंटर के तौर पर पेश किए गए महज 6.25 करोड़ रुपये के भुगतान प्लान से असंतुष्ट है। एनसीएलटी ने 80.81 फीसदी वोटिंग शेयर वाले कर्जदाताओं के समर्थन के बाद इस भुगतान प्लान को मंजूरी दी थी, लेकिन एचडीएफसी बैंक ने इसका विरोध किया था और इसके खिलाफ वोट भी दिया था। बैंक ने स्पष्ट किया है कि कुल स्वीकार किए गए दावों में उसकी हिस्सेदारी लगभग 3.2 फीसदी थी, जो मूल रूप से एचडीएफसी लिमिटेड द्वारा दिया गया कर्ज था और जिसका 2023 में एचडीएफसी बैंक में विलय हो गया। इस मामले में सुभाष चंद्रा ने अपना अलग पक्ष रखा है। उनका कहना है कि दिवालिया प्रक्रिया से जुड़े वास्तविक दावे केवल 3,992 करोड़ रुपये के थे, न कि 22,000 करोड़ रुपये से अधिक। चंद्रा के मुताबिक, उन्होंने इन कर्जदाताओं से व्यक्तिगत तौर पर कोई कर्ज नहीं लिया था, बल्कि एस्सेल समूह से जुड़ी कंपनियों के कर्ज के लिए केवल व्यक्तिगत गारंटी दी थी। सिर्फ एचडीएफसी बैंक ही नहीं, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, एक्सिस बैंक, केनरा बैंक, आरबीएल बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की ब्रिटेन इकाई समेत कई अन्य प्रमुख कर्जदाता भी इस प्लान से नाखुश हैं और एनसीएलएटी में अपील करने पर विचार कर रहे हैं। इन बैंकों का मानना है कि इतनी कम वसूली वाला प्लान उनके लिए व्यावहारिक नहीं है।

जापान में रहना हुआ महंगा, 1 अक्टूबर से पीआर और वीजा में बढ़ोतरी

6 हजार रुपए से सीधे 1.2 लाख हुई प्रोसेसिंग फीस

टोक्यो।

जापान में बसने या लंबे समय तक रहने की योजना बना रहे लोगों को अब अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ेगी। जापानी कैबिनेट ने 1 अक्टूबर से इमिग्रेशन नियमों को कड़ा करते हुए परमानेंट रेजिडेंस (पीआर) (क्क्क) और विभिन्न वीज़ा कैटेगरी की प्रोसेसिंग फीस में भारी बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। सबसे बड़ा झटका परमानेंट रेजिडेंस (पीआर) चाहने वालों को लगेगा। पीआर आवेदन शुल्क 10,000 येन (लगभग 6,000 रुपए) से सीधे बढ़कर 200,000 येन (लगभग 1.2 लाख रुपए) कर दिया गया है, जो 1900 फीसदी की चौंकाने वाली वृद्धि है। वीज़ा बदलने या रिन्यू कराने के शुल्क में भी बदलाव किया गया है। पहले यह एक समान 6,000 येन (लगभग 3,600 रुपए) था, लेकिन अब यह स्टे की अवधि पर निर्भर करेगा। 1 अक्टूबर से, प्रशासनिक कार्यालय में ऑफलाइन आवेदन करने पर, तीन महीने तक की अवधि के लिए 10,000 येन (6,000 रुपए), एक साल के लिए 33,000 येन (19,800 रुपए), तीन से पांच साल से कम के लिए 64,000 येन (38,400 रुपए) और पांच साल या उससे अधिक के लिए 75,000 येन (45,000 रुपए) का शुल्क लगेगा। संशोधित कानून सरकार को अस्थायी निवास प्रक्रियाओं के लिए 100,000 येन (लगभग 60,000 रुपए) तक और स्थायी निवास के लिए 300,000 येन (लगभग 1.8 लाख रुपए) तक फीस तय करने की अनुमति देता है।

भारतीय शेयर बाजार में बढ़त के साथ कारोबार

सेंसेक्स 240 अंक चढ़ा; आईटी शेयरों में जोरदार तेजी

बैंकिंग और एफएमसीजी जैसे कुछ सेक्टरों में हल्की गिरावट रही।

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती घंटों में प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ने हरे निशान में कारोबार किया, जिससे निवेशकों में उत्साह देखने को मिला। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के शेयरों में जोरदार तेजी दर्ज की गई, जिसने बाजार को ऊपर खींचने में अहम भूमिका निभाई।

हालांकि, बैंकिंग और एफएमसीजी जैसे कुछ सेक्टरों में हल्की गिरावट रही। शुक्रवार सुबह शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 242.28 अंक की बढ़त के साथ 77,175.87 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स ने 77,128.05 पर खुलने के बाद तेजी पकड़ी। वहीं एनएसई निफ्टी 50 भी 38.40 अंक बढ़कर 24,129.25 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी ने आज 24,122.60 पर अपनी शुरुआत की और शुरुआती कारोबार में 24,146.10 का ऊपरी स्तर छुआ। शुरुआती कारोबार में आईटी शेयरों में शानदार तेजी देखने को मिली।

निफ्टी आईटी इंडेक्स 2.15 फीसदी की उछाल के साथ 30,869.75 पर पहुंच गया। सेंसेक्स के शेयरों में इंफोसिस 2 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे आगे रहा। इसके अलावा, टेक महिंद्रा में 1.85 फीसदी, टीसीएस में 1.55 फीसदी, एचसीएल टेक में 1.47 फीसदी और टाइटन में 0.93 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट 0.75 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.71 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.63 फीसदी और बजाज फाइनेंस 0.46 फीसदी की गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति और एसबीआई में भी मामूली कमजोरी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.02 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.25 फीसदी की हल्की बढ़त रही। हालांकि, सेक्टर-वार देखें तो बैंकिंग और एफएमसीजी शेयरों में कुछ दबाव नजर आया। निफ्टी बैंक 0.09 फीसदी और निफ्टी एफएमसीजी 0.21 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा था। शुरुआती कारोबार में निफ्टी 50 के कुल 50 शेयरों में से 24 शेयर बढ़त में और 25 शेयर गिरावट में थे, जबकि एक शेयर अपरिवर्तित रहा।

प्याज महंगाई पर लगाम: कांदा एक्सप्रेस से दिल्ली पहुंची 453 टन प्याज

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के शहरों में प्याज की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने और आपूर्ति बढ़ाने के उद्देश्य से, शुक्रवार को महाराष्ट्र के नासिक से पहली कांदा एक्सप्रेस राजधानी पहुंची। यह ट्रेन अपने साथ 21 वैगनों में 453.65 टन प्याज लेकर आई है, जिससे उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने जानकारी दी कि दिल्ली-एनसीआर में यह प्याज 35 प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बेचा जाएगा। इसका कुछ हिस्सा चंडीगढ़, लुधियाना और जम्मू जैसे नजदीकी शहरों में भी भेजा जाएगा।केंद्र सरकार के पास मूल्य स्थिरीकरण कोष के तहत लगभग 1.21 लाख टन प्याज का बफर स्टॉक मौजूद है। चेन्नई के लिए अगली कांदा एक्सप्रेस शुक्रवार को ही रवाना होगी, जिसके बाद मदुरै, एर्नाकुलम और गुवाहाटी जैसे अन्य गंतव्यों के लिए भी रैक भेजे जाएंगे। मंत्रालय को उम्मीद है कि इस बफर स्टॉक की रिलीज से एक सप्ताह के भीतर दिल्ली में प्याज

की खुदरा कीमतों में गिरावट आएगी।

उल्लेखनीय है कि बृहस्पतिवार को दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमतें 62 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई थीं, जबकि अखिल भारतीय औसत 46.58 रुपये प्रति किलोग्राम रहा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एशियाई खेलः जापान में सुविधाओं से संतुष्ट नहीं बीसीसीआई

'बी' टीम भेजने पर हो रहा विचार; टीम में होगा बदलाव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों की शुरुआत होने में अब ज्यादा समय शेष नहीं रह गया है। बीसीसीआई जापान में क्रिकेट सुविधाओं से संतुष्ट नहीं है। बताया जा रहा है कि बोर्ड इन खेलों के लिए भारत की 'बी' टीम भेजने पर भी विचार कर रहा है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) जापान में सुविधाओं से संतुष्ट नहीं है। बताया जा रहा है कि इसी कारण बीसीसीआई एशियाई खेलों के लिए भारत की 'बी' भेजने पर विचार कर रहा है। एशियाई खेलों की शुरुआत जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से होगी। पुरुषों का क्रिकेट टूर्नामेंट 24 सितंबर से तीन अक्तूबर तक, जबकि महिलाओं का टूर्नामेंट 17 सितंबर से 22 सितंबर के बीच आयोजित किया जाना है।

पर्यवेक्षक भेजेगा बीसीसीआई

बीसीसीआई के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि बोर्ड और एसीसी जापान में क्रिकेटरों के लिए की गई सुविधाओं और व्यवस्थाओं से खुश नहीं हैं और बोर्ड वहां एक पर्यवेक्षक भेजने पर विचार कर रहा है। यदि सुविधाएं उम्मीद के मुताबिक नहीं पाई जाती हैं, तो बीसीसीआई प्रतियोगिता के लिए 'बी' टीम भेजने पर विचार कर सकता है। सूत्र ने कहा, बीसीसीआई और एसीसी जापान की सुविधाओं और व्यवस्थाओं से खुश नहीं हैं और बोर्ड वहां एक पर्यवेक्षक भेजेगा। वह अपनी रिपोर्ट हमें सौंपेंगे और यदि व्यवस्थाएं ठीक नहीं हुईं, तो हम वहां बी टीम भेजने पर विचार कर सकते हैं। हमने एसीसी की एक बैठक के दौरान जापान ओलंपिक अधिकारियों से कहा था कि ड्रेसिंग रूम टेंट में बनाए गए हैं और उन टेंटों से शौचालय 500 मीटर की दूरी पर हैं, जिससे खिलाड़ियों के लिए असंतोषजनक स्थिति पैदा हो गई है। इसके अलावा, होटल के कमरे वाकई बहुत छोटे हैं, जो एक बड़ी चिंता का विषय है।

भारत ने मजबूत टीम का किया था एलान

चीन के हांगझोउ में 2023 में हुए पिछले संस्करण में टीम इंडिया ने स्वर्ण पदक हासिल किया था, जहां फाइनल बारिश की वजह से धुलने के बाद बेहतर सीडिंग के आधार पर भारत को विजेता घोषित किया गया था। इस प्रतियोगिता के लिए उन्होंने कप्तान श्रेयस अय्यर, बाएं हाथ के बल्लेबाजों की तिकड़ी अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन और तिलक वर्मा तथा स्टार तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह सहित एक मजबूत लाइन-अप का एलान किया था। भारतीय महिला टीम की कमान हरमनप्रीत कौर के हाथों में है और इसमें कई ऐसे बड़े नाम शामिल हैं जो सीनियर स्तर पर नियमित रूप से खेलते हैं।

एशिया के खेलों के लिए भारतीय पुरुष टी20 टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, वैभव सूर्यवंशी और जसप्रीत बुमराह।

ऑस्ट्रेलिया ए के इंडिया दौरे के लिए भारतीय महिला टीम टीम का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया ए के आगामी भारत दौरे के लिए टीम की घोषणा की जिसमें अनुष्का शर्मा तीन मैच की टी20 श्रृंखला में भारत ए की कप्तानी करेंगी जबकि यस्तिका भाटिया एकदिवसीय और बहुदिवसीय टीम की अगुवाई करेंगी। सयाली सतघरे टी20 में उपकप्तान होंगी जबकि अनुष्का एकदिवसीय और बहुदिवसीय प्रारूप में उपकप्तान होंगी। दौरा 12 सितंबर से शुरू होगा और इसमें तीन टी20, तीन एकदिवसीय तथा चार दिवसीय एक मैच शामिल है। टी20 मैच न्यू चंडीगढ़, एकदिवसीय मुकाबले मोहाली के पीसीए स्टेडियम और चार दिवसीय मैच धर्मशाला में खेला जाएगा। टी20 मुकाबले 12, 15 और 17 सितंबर को न्यू चंडीगढ़ में होंगे। एकदिवसीय मैच 20, 23 और 25 सितंबर को मोहाली में खेले जाएंगे जबकि चार दिवसीय मुकाबला 29 सितंबर से दो अक्टूबर तक धर्मशाला में होगा।

टी20 के लिए भारत ए टीम – अनुष्का शर्मा (कप्तान), सयाली सतघरे, वृंदा दिनेश, सुजाता डे, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, शिप्रा गिरी, श्वेता सहरावत, उमा छेत्री, तनुजा कंवर, मीनू मणि, वैष्णवी शर्मा, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, सिमरन दिल बहादुर।

एकदिवसीय भारत ए टीम – यस्तिका भाटिया (कप्तान), अनुष्का शर्मा, वृंदा दिनेश, प्रिया पूनिया, तनिषा सिंह, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, उमा छेत्री, मीनू मणि, अमनदीप कौर, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

भारत ए की बहुदिवसीय टीम – यस्तिका भाटिया (कप्तान), अनुष्का शर्मा, शुभा सतीश, प्रिया पूनिया, तनिषा सिंह, तेजल हसबनिस, निक्की प्रसाद, ममता माडिवाला, सुश्री दिब्यदर्शिनी, शुचि उपाध्याय, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमनी कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने जर्मनी को 3-1 से हराकर रचा इतिहास

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने 2026 महिला हॉकी वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया। गुरुवार को एमस्टेलवीन के वैगनर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने दूसरे हाफ में बेहतरीन वापसी करते हुए लगातार तीन गोल दागे। इस जीत के साथ भारत ने महिला हॉकी वर्ल्ड कप में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इससे पहले भारत का सबसे अच्छा प्रदर्शन 1974 के पहले महिला हॉकी वर्ल्ड कप में रहा था, जब टीम चौथे स्थान पर रही थी। भारत ने टूर्नामेंट में सिर्फ एक मुकाबला गंवाया। जर्मनी के खिलाफ पांचवें स्थान के मुकाबले में टीम ने पहले हाफ में दबाव का सामना किया, लेकिन दूसरे हाफ में खेल का रुख पूरी तरह बदल दिया। मैच के शुरुआती क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारत ने काउंटर-अटैक के जरिए मौके बनाने की कोशिश की, जबकि जर्मनी ने धीरे-धीरे गेंद पर अपना नियंत्रण बढ़ाया और भारतीय डिफेंस पर दबाव बनाया। जर्मनी को क्वार्टर के अंत में पेनल्टी कॉर्नर भी मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर बिचू देवी ने शानदार बचाव करते हुए टीम को गोल खाने से बचाया। इसके बाद मिले एक और पेनल्टी कॉर्नर का भी जर्मनी फायदा नहीं उठा सका। दूसरे क्वार्टर में भी जर्मनी ने अधिक समय तक गेंद अपने कब्जे में रखी। 18वें मिनट में सुशीला चानू के पैर पर गेंद लगने के बाद जर्मनी को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन खराब इंजेक्शन के कारण यह मौका भी हाथ से निकल गया। इसके बाद भारत ने कुछ अच्छे हमले किए। नवनीत कौर और कप्तान सलीमा टेटे ने जर्मन गोलकीपर फिंजा स्टार्क की परीक्षा ली, लेकिन उन्होंने लगातार शानदार बचाव करते हुए भारत को बढ़त लेने से रोके रखा।

महिला एशिया कप शुरु, भारतीय महिला टीम का पहला मैच 30 अगस्त को

दुबई (एजेंसी)। 17 दिन चलने वाले महिला एशिया कप 2026 की शुरुआत आज से दुबई में हो रही है। इसमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम भी हिस्सा ले रही है। 13 सितंबर को इसका फाइनल होगा। यूएई की मेजबानी में 28 अगस्त से महिला एशिया कप 2026 की शुरुआत हो गई। यह टूर्नामेंट का 10वां संस्करण है। अभी तक भारत ने 7 बार खिताब अपने नाम किया है तो श्रीलंका और बांग्लादेश की टीम 1-1 बार चैंपियन बनी है। 2004 में महिला एशिया कप की शुरुआत हुई थी। 2008 तक इसे वनडे फॉर्मेट में खेला गया था। 2012 से टी20 फॉर्मेट में इसका आयोजन किया जा रहा है। श्रीलंका टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है।

महिला एशिया कप 2026 में 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई, थाईलैंड, हांगकांग और इंडोनेशिया शामिल है। इन टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में हांगकांग, भारत, पाकिस्तान और थाईलैंड है। वहीं ग्रुप बी में बांग्लादेश के साथ श्रीलंका, यूएई, इंडोनेशिया और श्रीलंका को जगह मिली है। थाईलैंड और हांगकांग के बीच टूर्नामेंट का पहला मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होगा। थाईलैंड के खिलाफ भारतीय टीम 30 अगस्त को अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

महिला एशिया कप में कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड, 7 बार बन चुकी है चैंपियन

महिला एशिया कप 2026 की शुरुआत 28 अगस्त से हो गई है। इस बार टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम को इस बार खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। आइए आपको बताते हैं टीम इंडिया का टी20 एशिया कप में रिकॉर्ड कैसा रहा है। एशिया कप की शुरुआत 2004 में हुई थी। पहले चार संस्करण वनडे फॉर्मेट में हुए थे। 2012 से यह टी20 फॉर्मेट में आयोजित किया जा रहा है।

भारतीय टीम का एशिया कप में रिकॉर्ड काफी शानदार है। कुल मिलाकर भारत ने टी20 एशिया कप में 25 मुकाबले खेले हैं। इसमें से हरमनप्रीत एंड कंपनी ने 21 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि महज 4 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम टी20 एशिया कप के खिताब को तीन बार अपने नाम कर चुकी है। साल 2012, 2016 और 2022 में टीम इंडिया ने ट्रॉफी को अपने नाम किया था। वहीं 2018 और 2024 में फाइनल में हार झेलनी पड़ी थी। वहीं वनडे फॉर्मेट में चारों बार भारत विजेता रहा था। कुल मिलाकर भारत के पास एशिया कप की 7 ट्रॉफी है। बांग्लादेश और श्रीलंका की टीम 1-1 बार चैंपियन बनी है।

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम से इस बार भी दमदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के ऊपर टीम को शानदार शुरुआत देने की जिम्मेदारी होगी। शेफाली और मंधाना दोनों की ही हालिया फॉर्म शानदार रही है। मंधाना इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रही हैं। वहीं, जेमिमा रोड्रिग्स की गैरमौजूदगी में कप्तान हरमनप्रीत कौर के कंधों पर मध्यक्रम की जिम्मेदारी होगी।

इन खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा भारतीय टीम के लिए इस टूर्नामेंट में ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं। दीप्ति बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दे सकती हैं, जबकि ऋचा तूफानी बल्लेबाजी के बूते किसी भी मैच का रुख पलटने का दमखम रखती हैं। गेंदबाजी में क्रांति गौड़ और रेणुका ठाकुर तेज गेंदबाजी की कमान संभालती हुई नजर आ सकती हैं। वहीं, स्पिन विभाग की जिम्मेदारी श्री चरणी और राधा यादव पर होगी। चरणी ने इस साल खेले 15 टी20 इंटरनेशनल मुकाबलों में कुल 27 विकेट चटकाए हैं। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अपने अभियान का आगाज 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ करेगी।

पाकिस्तान से मुकाबले पर हरमनप्रीत ने कहा ,किसी एक विशेष टीम पर ध्यान नहीं दे रहे

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने गुरुवार को कहा कि उनकी टीम महिला टी20 एशिया कप में किसी विशेष प्रतिद्वंद्वी को निशाने पर रखकर नहीं चल रही है और इसके बजाय वह अच्छा क्रिकेट खेलने पर ध्यान केंद्रित करेगी। एशिया कप में भारत, पाकिस्तान, मौजूदा चैंपियन श्रीलंका, बांग्लादेश, मेजबान यूएई, थाईलैंड, हांगकांग, चीन और इंडोनेशिया की टीम भाग ले रही हैं। वनडे विश्व चैंपियन भारत महिला टी20 एशिया कप में प्रबल दावेदारों में से एक है, लेकिन हरमनप्रीत ने पांच सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले अपने बहुप्रतीक्षित मुकाबले को लेकर बने माहौल को खास तवज्जो नहीं दी। हरमनप्रीत ने शुक्रवार से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से पहले कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम किसी एक विशेष टीम पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। सभी टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और हमारा ध्यान अच्छा क्रिकेट खेलने पर है। हम किसी भी टीम को हल्के से नहीं ले रहे हैं। हमारा ध्यान केवल अच्छी क्रिकेट खेलने पर है। हम खेल से इतर की बातों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

प्रज्ञानानंदा की उपलब्धि, ग्रैंड चेस टूर जीतने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय चेस स्टार आर प्रज्ञानानंदा ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। 20 साल के ग्रैंडमास्टर ने अमेरिका में खेले गए ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह ग्रैंड चेस टूर जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। फाइनल मुकाबले में प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका के दिग्गज ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना को 15-13 के स्कोर से हराया। इस जीत के बाद उन्हें प्राइज मनी के रूप में 2 लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब 1.9 करोड़ रुपये मिले।

ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स का चैंपियन बनना आर प्रज्ञानानंदा के लिए आसान नहीं था। उन्हें फाइनल के पहले क्लासिकल मुकाबले में हार झेलनी पड़ी तो वहीं दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद वह 6 पॉइंट से पीछे चल रहे थे। इसके बाद भी भारतीय भारतीय खिलाड़ी ने जबरदस्त वापसी की और दोनों रैपिड मुकाबले जीत लिए। इससे उन्होंने फैबियानो कारुआना पर बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद ब्लिट्ज स्टेज में भी उन्होंने शानदार खेल दिखाया। अंतिम मुकाबले में उन्हें सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी और उन्होंने संयम बनाए रखते हुए मैच ड्रॉ कर खिताब अपने नाम कर लिया।

भारत के न्यूजीलैंड दौरे के टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री

वेलिंगटन (एजेंसी)। भारत के न्यूजीलैंड दौरे के लिए पहले 48 घंटे में 26 हजार टिकट बिक गए हैं। यह न्यूजीलैंड क्रिकेट की प्री-सेल में रिकॉर्ड मांग है। यह दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा और 1 दिसंबर तक चलेगा। दोनों टीमों के बीच 5 टी-20, 5 वनडे और 2 टेस्ट खेले जाएंगे। भारतीय टीम 2019-20 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज खेलेगी।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, ऑकलैंड के ईडन पार्क में होने वाले व्हाइट-बॉल मुकाबलों के टिकट सबसे तेजी से बिक रहे हैं। यहां सीरीज का चौथा टी-20 और पहला वनडे खेला जाएगा।

क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में भी टिकटों की भारी मांग है। करीब 9 हजार दर्शकों की क्षमता वाले इस मैदान पर भारत और न्यूजीलैंड के बीच शुरुआती दो टी-20 मैच 22 और 24 अक्टूबर को खेले जाएंगे। इसी मैदान पर दौरे का दूसरा और आखिरी टेस्ट भी खेला जाएगा। यह मुकाबला 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक होगा और इसके टिकटों की बिक्री भी तेजी से हो रही है।

गंभीर ने भारतीय टीम की मानसिक मजबूती की सराहना की, दिनुशा के जुझारूपन के हुए कायल

1139 मिनट तक चट्टान बने रहे सोनल दिनुशा तोड़े कई रिकॉर्ड

कोलंबो(एजेंसी)। भारत की जीत में सबसे बड़ी दीवार बने दिनुशा श्रीलंका के 25 साल के युवा बल्लेबाज सोनल दिनुशा ने भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में अपनी ऐतिहासिक बल्लेबाजी से सभी को हैरान कर दिया। सीरीज में खेले गए 722 गेंदों और 1139 मिनट के दौरान दिनुशा ने 420 रन बनाए और तीन शतक जड़े। कोलंबो के स्पष्ट स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच के आखिरी दिन भारत की जीत के इरादों पर पानी फेरते हुए दिनुशा ने श्रीलंका के लिए मैच को ड्रॉ कराने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई।मुश्किल परिस्थितियों में नंबर-6 पर बल्लेबाजी करने उतरे सोनल दिनुशा ने टेलेंडर्स के साथ मिलकर भारतीय गेंदबाजों को तरसा दिया। पहली पारी में संकट में फंसी टीम के लिए शतक बनाने के बाद, फॉलोऑन खेलते हुए दूसरी पारी में भी उन्होंने नाबाद शतक जड़ा। वे टेस्ट क्रिकेट इतिहास में फॉलोऑन मिलने के बाद एक ही मैच की दोनों पारियों में शतक बनाने वाले दुनिया के तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। इसके अलावा नंबर-6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए यह कारनामा करने वाले वे केवल पांचवें बल्लेबाज हैं।दिनुशा की इस डिफेंसिव और स्मार्ट बल्लेबाजी ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल को भी हैरान कर दिया। मैच के बाद गिल ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, उन्होंने बेहद ठोस डिफेंसिव खेल दिखाया और बेहतरीन स्वीप शॉट्स खेले। इस मैच में मुझे नहीं लगता कि उन्होंने फील्डरों को आधा मौका भी दिया।

नीरज चोपड़ा डायमंड लीग के फाइनल में खेलेंगे, श्रीलंका के पथिरागे से मिलेगी कड़ी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने प्रतिष्ठित एक दिवसीय प्रतियोगिता की सीरीज के केवल दो टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के बावजूद पांच सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। चोपड़ा ने 19 जून को दोहा और 21 अगस्त को लुसाने में हुई डायमंड लीग में क्रमशः दूसरा स्थान हासिल करके 12 अंक जुटाए। इसके साथ वह अंक तालिका में छठे स्थान पर रहे और ब्रसेल्स में होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे जिसमें विजेता सीधा चैंपियन बनता है।

बृहस्पतिवार को ज्यूरिख में सीरीज के 14वें और आखिरी चरण के समाप्त होने के बाद अंक तालिका अपडेट की गई। इस साल हुई 14 डायमंड लीग प्रतियोगिता में से पांच में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा शामिल थी, लेकिन नीरज चोपड़ा ने इनमें से केवल दो प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। 28 वर्षीय चोपड़ा चोट से उबरने के बाद वापसी की राह पर हैं, उन्हें पिछले साल सितंबर से कमर के निचले हिस्से में लगी चोट परेशान कर रही थी। इस चोट के कारण उनकी वापसी में देरी हुई और उन्होंने दोहा डायमंड लीग में वापसी की।

हाल में हुए ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में वह शत प्रतिशत फिट नहीं थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 85.83 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक जीता। इसके बाद उन्होंने लुसाने डायमंड लीग में अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए 88.05 मीटर का थ्रो किया। कूद और थ्रो स्पर्धाओं में अंक तालिका के शीर्ष छह खिलाड़ी चार-पांच सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा प्रत्येक स्पर्धा में एक अतिरिक्त एथलीट को राष्ट्रीय या वैश्विक वाइल्डकार्ड चयन के माध्यम से भाग लेने का मौका मिल सकता है।

डायमंड लीग फाइनल ब्रसेल्स में दो दिन तक आयोजित होगा जिसमें चार सितंबर को 16 स्पर्धाएं होंगी जबकि बाकी 16 स्पर्धाएं अगले दिन आयोजित की जाएंगी। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा पांच सितंबर को होगी। विजेता को ट्रॉफी के साथ कम से कम 30,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। वहीं आठवें स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को 1,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। अगर पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा को डायमंड प्लस स्पर्धाओं में चुना जाता है तो विजेता को 60,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।

श्रीलंका के उभरते हुए स्टार रुमेश पथिरागे 39 अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर हैं। ऐसे में उन्हें ब्रसेल्स में डायमंड लीग की ट्रॉफी जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। उन्होंने डायमंड लीग की पांचों भाला फेंक स्पर्धाओं में हिस्सा लिया जिनमें से चार में वह विजेता रहे जबकि एक में दूसरे स्थान पर रहे। यह प्रदर्शन सत्र में उनके शानदार दबदबे को दर्शाता है।

पथिरागे ने बृहस्पतिवार को ज्यूरिख में 92.07 मीटर का शानदार थ्रो करके 10 खिलाड़ियों के मुकाबले में पहला स्थान हासिल किया। यह इस सत्र में उनका दूसरा 90 मीटर से ज्यादा का थ्रो था। इससे पहले उन्होंने रोम में 92.62 मीटर का थ्रो किया था। इस सत्र में अब तक 90 मीटर से ज्यादा का थ्रो करने वाले दूसरे खिलाड़ी जर्मनी के जूलियन वेबर हैं। उन्होंने इसी महीने की शुरुआत में बर्मिंघम में यूरोपीय चैंपियनशिप में 90.40 मीटर का थ्रो करके स्वर्ण पदक जीता था। लेकिन चोट के कारण वह किसी भी डायमंड लीग मुकाबले में हिस्सा नहीं ले सके और अब फाइनल में भी नहीं खेलेंगे।

दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 35 अंक के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर हैं। बृहस्पतिवार को ज्यूरिख में उन्होंने 86.93 मीटर का थ्रो किया और पथिरागे के बाद दूसरे स्थान पर रहे। पथिरागे और पीटर्स दोनों ही ज्यूरिख प्रतियोगिता से पहले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके थे। मौजूदा विश्व चैंपियन त्रिनिदाद एवं टोबैगो के केशोर्ण वॉलकॉट भी डायमंड लीग फाइनल में खेलेंगे। वह 23 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। उनके बाद अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन 20 अंक के साथ चौथे और कीनिया के जूलियस येगो 13 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

नीरज चोपड़ा पहली बार होने वाली विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई करने की राह पर हैं। यह प्रतियोगिता 11 से 13 सितंबर तक बुडापेस्ट में आयोजित होगी। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में 8 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। नीरज चोपड़ा इस समय सातवें स्थान पर हैं। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी सचिन यादव आठवें स्थान पर हैं। हालांकि प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की अंतिम सूची छह सितंबर को जारी की जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

नेपाल-चीन में 1500 के करीब लोग लापता, इनमें बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक शामिल, मृतकों का आंकड़ा 175 हुआ

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल त्रासदी की भयावहता कितनी बड़ी है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें नेपाल और चीन में 1500 के करीब लोग लापता है। जिनमें तिब्बत में 588 लोगों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। वहीं नेपाल सरकार ने कहा है कि उनके वहां 800 से ज्यादा लोग लापता हैं, जिनमें बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक शामिल हैं। नेपाल के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का कहना है कि अचानक आई बाढ़ के बाद 826 लोग संपर्क से बाहर हैं। इनमें 579 पर्यटक शामिल हैं। लापता लोगों में नेपाली सशस्त्र बलों के 85 जवान भी शामिल है। वहीं विभिन्न हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में काम कर रहे 162 स्टाफ सदस्यों के बारे में भी कुछ पता नहीं चल सका है।

पुजारी ने बुरी आत्मा के अनुष्ठान के नाम पर महिला से किया उत्पीड़न, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिका के एक हिंदू पुजारी को कनाडा में यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का आरोप है कि उसने ओंटारियो के ओशावा में एक धार्मिक अनुष्ठान के दौरान अपने धार्मिक पद का दुरुपयोग किया। डरहम क्षेत्रीय पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को एक परिवार ने अमेरिका से बुलाकर एक हिंदू धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए कहा था। डरहम क्षेत्रीय पुलिस के बयान के अनुसार, पूर्वी डिवीजन के सदस्यों ने मंगलवार, 25 अगस्त को हारमनी रोड नॉर्थ और कॉनलिन रोड ईस्ट के इलाके में यौन उत्पीड़न की शिकायत पर कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि पीड़िता और उसके परिवार ने एक पुजारी को धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए बुलाया था। आरोपी ने कथित तौर पर महिला को यह विश्वास दिलाया कि उस पर बुरी आत्मा का साया है और उसे ठीक होने के लिए एक निजी अनुष्ठान की आवश्यकता है। पुलिस के अनुसार, इसके बाद वह पीड़िता को एक निजी स्थान पर ले गया, जहां कथित तौर पर धार्मिक अनुष्ठान करने के बहाने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया। बाद में पुलिस से संपर्क किया गया और बिना किसी घटना के संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान राजेंद्रनाथ दूदनाथ माराज (50 वर्ष) के रूप में हुई है, जो रिचमंड हिल, न्यूयॉर्क का निवासी है। उस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है और उसे जमानत सुनवाई के लिए हिरासत में लिया गया है। डरहम क्षेत्रीय पुलिस ने कहा कि उन्हें आशंका है कि अन्य पीड़िते भी हो सकते है। उन्होंने जांच के तहत आरोपी की तस्वीर जारी की है। पुलिस घटना या आरोपी से जुड़ी इसी तरह की अन्य घटनाओं के बारे में जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से पूर्वी डिवीजन आपराधिक जांच शाखा के डी/कॉन्स्टेबल क्रोनिन से 1-888-579-1520, एक्सटेंशन 1605 पर संपर्क करने का अनुरोध कर रही है। गुमनाम सूचनाएं डरहम रीजनल क्राइम स्टॉपर्स को 1-800-222-(8477) पर कॉल करके या उनकी वेबसाइट के माध्यम से भी दी जा सकती हैं। सूचना देने वालों को नकद इनाम मिल सकता है।

अमेरिका लौटते समय थाईलैंड में क्यों रुकेगा युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन, पश्चिम एशिया में था तैनात

वॉशिंगटन, एजेंसी। थाई अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि अमेरिका का शक्तिशाली युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन पश्चिम एशिया में अपनी मुश्किल तैनाती के बाद कुछ दिन थाईलैंड में रुकेगा। यूएसएस मिडिल ईस्ट में अपनी मुश्किल तैनाती के बाद थाईलैंड में रुकेगा। यह युद्धपोत ईरान के खिलाफ अमेरिकी युद्ध में मदद कर रहा था, और इसकी तैनाती के दौरान इसने समुद्र में लगातार 250 दिनों से ज्यादा समय बिताया, जो एक रिकॉर्ड है। क्रू की बिगड़ती मानसिक सेहत और खाने-पीने व साफ-सफाई के सामान जैसी जरूरी चीजों की कमी की खबरों के बाद लिंकन की लंबी तैनाती को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं। थाई रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सुरसंत कोंगसिरी ने कहा कि लिंकन अगले हफ्ते अपने अमेरिकी बेस पर लौटने से पहले आराम और रिकवरी के लिए थाईलैंड में रुकेगा। बैंकॉक में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने पत्रकारों से कहा, थाईलैंड में रुकना क्रू के लिए जमीन पर उतरने और आराम करने का एक मौका है। मंगलवार को रॉयल थाई नेवी ने कहा कि अमेरिकी नेवी के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के तीन जहाज पूर्वी थाईलैंड में रुकेंगे और इस यात्रा के दौरान कोई सैन्य अभ्यास नहीं किया जाएगा। कैरियर की लंबी तैनाती से लंबे समय तक घर से दूर रहने वाले जवानों पर असर पड़ता है और जहाज व उसके उपकरणों पर भी दबाव बढ़ता है।

नेपाल बाढ़ में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 175 हुआ, लापता लोगों में 476 विदेशी नागरिक शामिल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बुधवार को आई भयंकर त्रासदी में मृतकों का आंकड़ा 150 के पार पहुंच गया है। तिब्बत सीमा पर अचानक आई बाढ़ अपने रास्ते में सबकुछ बहाकर ले गई। इस बाढ़ में कई पुल, हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट तबाह हो गए। एक हजार के करीब लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं और इनमें 133 भारतीय भी शामिल हैं।

नेपाल बाढ़ में मृतकों का आंकड़ा 175 हुआ : नेपाल में बुधवार को आई त्रासदी में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 175 हो गया है। नेपाल सरकार के आंकड़ों के अनुसार, सैंकड़ों लोग लापता हैं, जिनमें 28 देशों के 476 विदेशी नागरिक शामिल हैं। नेपाल सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि लापता लोगों में नेपाली सेना के 44, नेपाली पुलिस के 28 और नेपाल सशस्त्र बलों के 13 जवान भी लापता हैं। नेपाल पर्यटन बोर्ड ने कहा है कि लापता लोगों में 579 पर्यटक है।

नेपाल बाढ़ पर दुनियाभर के नेताओं ने जताया शोक, हर संभव मदद को लेकर दिखाई एकजुटता नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ में अब तक 162 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि सुरक्षाकर्मियों और पर्यटकों समेत सैकड़ों लोग अभी भी लापता हैं। इस त्रासदी को लेकर दुनियाभर के नेताओं ने दुख जताते हुए नेपाल और पीड़ति लोगों के साथ एकजुटता जाहिर की। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने त्रासदी को लेकर गहरा दुख जताते हुए यूरोप की ओर से अधिक से अधिक सहायता की बात कही।

यूरोपीय संघ की अध्यक्ष ने जताया दुख : अध्यक्ष उर्सुला वॉन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, %नेपाल और चीन में आई विनाशकारी बाढ़ ने कई समुदायों को बुरी तरह प्रभावित किया है। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जो इस आपदा से प्रभावित हुए हैं, खासकर उन परिवारों के साथ जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है या जो अब भी उनके बारे में किसी खबर का इंतजार कर रहे हैं। हम उन बहादुर राहत और बचाव कर्मियों को भी याद कर रहे हैं जो कठिन परिस्थितियों में लोगों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नेपाल में प्रभावित इलाकों का नक्शा तैयार करने और जमीनी स्तर पर राहत कार्यों में सहायता देने के लिए कोपरनिकस प्रणाली को सक्रिय किया गया है। यूरोपीय संघ जरूरत पड़ने पर और अधिक सहायता देने के लिए भी तैयार है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव बोले-राहत और बचाव कार्यों में सहयोग कर रहे : संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने एक्स पोस्ट में कहा, नेपाल और चीन में आई भीषण बाढ़ से मुझे गहरा दुख हुआ है। इस आपदा में कई लोगों की जान गई है, कई लोग लापता हैं और बड़े पैमाने पर तबाही हुई है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। इस आपदा से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी पूरी एकजुटता और सहानुभूति है। नेपाल में संयुक्त राष्ट्र सरकार के नेतृत्व में चलाए जा रहे राहत और बचाव प्रयासों में सहयोग कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की टीमें और मानवीय सहायता से जुड़े साझेदार संगठन बाढ़ प्रभावित समुदायों की मदद के लिए राहत सामग्री और कर्मियों को तेजी से जुटा रहे हैं। नीदरलैंड के विदेश मंत्री टॉम बेरेंडसन ने भी इस आपदा पर गहरा दुख जताते हुए एक्स पोस्ट में लिखा, नेपाल-चीन सीमा क्षेत्र में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति हम गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हैं। वहीं, जो लोग अपने परिवार या करीबी लोगों की खबर का इंतजार कर रहे हैं, उन्हें हम हिम्मत और शक्ति की कामना करते हैं। हम कठिन परिस्थितियों में राहत और बचाव कार्य कर रहे नेपाली अधिकारियों और आपदा राहतकर्मियों के प्रयासों की सराहना करते हैं। हम स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं, जिसमें प्रभावित क्षेत्र में मौजूद डच नागरिकों की स्थिति भी शामिल है।

जापान की प्रधानमंत्री ने भी संवेदनाएं जाहिर कीं : वहीं, जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने भी नेपाल बाढ़ त्रासदी पर दुख व्यक्त किया। तकाइची ने एक्स पोस्ट में लिखा, नेपाल में आई व्यापक बाढ़ के मद्देनजर, मैं नेपाल सरकार और नेपाल की जनता के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पांच जापानी नागरिक लापता हैं।

संघ प्रमुख के अमेरिका में कार्यक्रम को लेकर अलर्ट, हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने चेतावनी क्यों जारी की

वॉशिंगटन, एजेंसी। संघ प्रमुख मोहन भागवत अमेरिका दौरे पर हैं। उनका यह दौरा शुरुआत से ही चर्चाओं में बना हुआ है। अब अमेरिका के एक गैर लाभकारी हिंदू संगठन हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने एक अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में हिंदू समुदाय के लोगों से मोहन भागवत के मैडिसन स्कवायर गार्डन में होने वाले कार्यक्रम के लिए सतर्क रहने की अपील की गई है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी, शैक्षिक संगठन है, जिसकी स्थापना साल 2003 में हुई थी। इसका मुख्यालय वॉशिंगटन डीसी में है। यह संगठन अमेरिका में रहने वाले हिंदू समुदाय के हितों का ध्यान रखता है।

मोहन भागवत के कार्यक्रम से पहले हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने सोशल मीडिया पर साझा एक बयान में कहा- सामुदायिक परामर्श! हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन, न्यूयॉर्क शहर के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले सार्वभौमिक एकता समारोह से पहले यह सुरक्षा चेतावनी जारी कर रहा है। सतर्क रहें, हालात से अवगत रहें और शालीनता बनाए रखें।

संगठन ने कहा, हिंदू अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले लोगों ने समारोह को बाधित करने का प्रयास किया है। हम न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी से अपील करते हैं कि वे कार्यक्रम में उपस्थित लोगों सहित सभी न्यूयॉर्कवासियों की रक्षा करने के अपने कर्तव्य का पालन करें और सभी नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा की गारंटी दें।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन की यह चेतावनी ऐसे समय सामने आई है, जब अमेरिकी मानवाधिकार निकाय, यूएससीआईआरएफ ने संघ प्रमुख के अमेरिका दौरे का विरोध किया है। पाकिस्तानी-अमेरिकी नागरिक आसिफ महमूद की अध्यक्षता वाले यूएससीआईआरएफ ने कहा है कि भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति बिगड़ रही है और इस निकाय ने अमेरिका से आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग पर विचार करने को कहा है।

हालांकि विदेश मंत्रालय ने 21 अगस्त को एक ब्रीफिंग में यूएससीआईआरएफ के बयान की कड़ी निंदा की थी और यूएससीआईआरएफ की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि यूएससीआईआरएफ एक पक्षपाती संस्था है और यह वर्षों से भारत के बारे में गलत और भड़काऊ बयान देती रही है।

पाकिस्तान में 200 साल पुराना गुरुद्वारा गिराया, सिखों की विरासत की जा रही खत्म

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में करीब 200 साल पुराने ऐतिहासिक 'श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा' को गिरा दिया गया। अब इस जगह पर एक मॉल का निर्माण किया जा रहा है। बलूचिस्तान गुरुद्वारा सिंह सभा के सदस्य सरदार जसबीर सिंह के अनुसार, पूरा सिख समाज इसका विरोध कर रहा है, लेकिन अभी तक सरकार कोई एक्शन नहीं ले रही। उन्होंने बताया कि बलूचिस्तान में कभी 12 गुरुद्वारे थे, जिनमें से अब सिर्फ 2 बचे हैं।

गुरुद्वारे को गिराए जाने पर भारत में भी कड़ा विरोध हो रहा है। भाजपा के नेशनल स्पोक्सपर्सन आरपी सिंह ने कहा कि ये पाकिस्तान में सिखों की विरासत खत्म करने की कोशिश है। अकाल तख्त साहिब को पाकिस्तान सरकार के सामने मामला उठाना चाहिए और स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। क्वेटा के आर्चर रोड स्थित श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा परिसर में बाद में सेंट गैब्रिएल स्कूल संचालित हो रहा था। सिख समुदाय के नेता सरदार जसबीर सिंह के मुताबिक, अब उसी गुरुद्वारे को ढहाकर यहां शॉपिंग प्लाजा का निर्माण कराया जा रहा है। मामला बलूचिस्तान हाई कोर्ट तक पहुंचा, लेकिन कोर्ट ने फिलहाल निर्माण रोकने से इनकार कर दिया है।

निजी बिल्डर को जमीन बेची गई

सिख समुदाय के मुताबिक, यह जमीन श्री गुरु सिंह सभा से जुड़ी संपत्ति थी। आरोप है कि इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड ने इसे एक निजी बिल्डर को बेच दिया। अब सवाल उठ रहा है कि इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड को इस धार्मिक संपत्ति को बेचने का अधिकार किस आधार पर मिला और जमीन की बिक्री की प्रक्रिया क्या थी? इस पर पाकिस्तान सरकार या इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड की ओर से आधिकारिक जवाब सामने आना बाकी है।

कैलाश यात्रा का लोकप्रिय नेपाली कॉरिडोर बना मौत का फंदा

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के रसुवा जिले में आई अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है, जिससे कैलाश मानसरोवर के सैकड़ों तीर्थयात्री बाढ़ की चपेट में आ गए हैं या लापता हो गए हैं। ये तीर्थयात्री एक निजी, लेकिन अत्यधिक लोकप्रिय नेपाली कॉरिडोर का उपयोग कर रहे थे, जो अब जानलेवा साबित हुआ है। बाढ़ के 48 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी सैकड़ों लोगों का कोई पता नहीं है। इसमें बड़ी संख्या में वे पर्यटक और तीर्थयात्री शामिल हैं जो रसुवागढ़ी (ग्यिरोंग) सीमा पर कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने या वहां से लौटने के लिए औपचारिकताएं पूरी कर रहे थे।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल के रास्ते दो मुख्य निजी मार्ग हैं रसुवागढ़ी (ग्यिरोंग) और हिल्सा (हुमला/सिमिकोट)। इनमें से रसुवा मार्ग उसकी कम लागत के कारण तीर्थयात्रियों के बीच खासा लोकप्रिय है। रिपोर्टों के अनुसार, इस साल 13,500 से अधिक तीर्थयात्रियों ने इस मार्ग को चुना है, जिनमें बड़ी संख्या में भारतीय भी शामिल हैं। भारत सरकार का विदेश मंत्रालय प्रतिवर्ष उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे और सिक्किम के नाथु ला दर्रे से होकर कैलाश मानसरोवर यात्रा का आयोजन करता है। ये यात्राएं 20-22 दिनों तक चलती हैं और इनकी लागत लगभग 2 लाख रुपये आती है। लॉटरी प्रणाली से केवल लगभग 1,000 तीर्थयात्रियों का चयन होता है, जिससे बड़ी संख्या में लोग वैकल्पिक मार्गों की तलाश करते हैं।

इसकारण कई भारतीय और विदेशी नागरिक नेपाल के निजी टूर ऑपरेटरों के माध्यम से यात्रा का कार्यक्रम बनाते हैं। नेपाली ऑपरेटर तिब्बत में प्रवेश के लिए ग्रुप वीजा प्राप्त करते हैं। रसुवा मार्ग काठमांडू से शुरू होकर 5-6 घंटे में रसुवागढ़ी बॉर्डर पहुंचाता है, जहां से तिब्बत में प्रवेश कर दारचेन (कैलाश यात्रा का बेस) जाया जाता है। यह जमीनी मार्ग लगभग 14-15 दिनों में यात्रा पूरी कराता है, और इसका खर्च आधिकारिक मार्ग से काफी कम होता है। यह विशेष रूप से विदेशों में रहने वाले भारतीयों, नेपाली नागरिकों और अन्य देशों के तीर्थयात्रियों के बीच लोकप्रिय है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, रसुवागढ़ी चेकप्वाइंट से तिब्बत में दाखिल होने वाले धार्मिक सैलानियों की संख्या में 18.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि दूसरा निजी मार्ग, हिल्सा, मुख्य रूप से हवाई मार्ग है जिसमें हेलीकॉप्टर का उपयोग होता है। यह मार्ग महंगा (लगभग 3 लाख रुपये या उससे अधिक) होने के बावजूद 5 से 11 दिन में यात्रा पूरी कराता है। हालांकि, रसुवा मार्ग की लोकप्रियता ने इस आपदा का केंद्र बना दिया है।

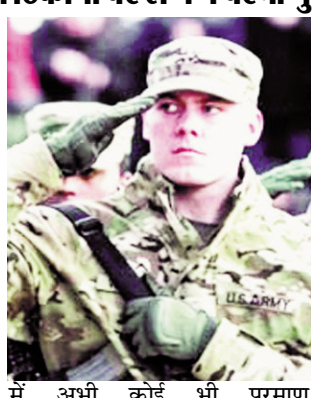

अमेरिकी सेना का प्लान: पांच ठिकानों पर लगेंगे परमाणु माइक्रोरिएक्टर, खर्च होंगे 2.2 अरब डॉलर; क्या है मकसद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने बुधवार को बताया कि वह न्यूयॉर्क से टेक्सस तक पांच सैन्य ठिकानों पर परमाणु माइक्रोरिएक्टर लगाने की योजना बना रही है। इनसे भरोसेमंद बिजली मिलेगी। इसके लिए सेना को व्यावसायिक बिजली ग्रिड पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। यह घोषणा ऐसे समय हुई है, जब ट्रंप प्रशासन अमेरिका में परमाणु ऊर्जा का विस्तार करने पर जोर दे रहा है। इसका मकसद नई परमाणु तकनीक को बढ़ावा देना है। खासकर डाटा केंद्रों की बढ़ती बिजली जरूरत पूरी करने पर जोर है। इसके तहत बड़े परमाणु रिएक्टरों के लिए अरबों डॉलर के कर्ज दिए जा रहे हैं। उन्नत रिएक्टर डिजाइन और परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए एक पायलट कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। इसमें सैन्य और आम नागरिक दोनों क्षेत्रों के लिए काम किया जा रहा है। अमेरिका

में अभी कोई भी परमाणु माइक्रोरिएक्टर व्यावसायिक बिजली ग्रिड को बिजली नहीं दे रहा है। सेना ने पांच कंपनियों को चुना है। इन्हें पांच साल में कुल 2.2 अरब डॉलर तक दिए जाएंगे। ये कंपनियां माइक्रोरिएक्टर की मालिक होंगी। इन्हें बनाएंगी और चलाएंगी। हालांकि, इसके लिए उन्हें तय किए गए प्रदर्शन मानकों को पूरा करना होगा। सेना को उम्मीद है कि 20 से ज्यादा परमाणु माइक्रोरिएक्टर बनाए और चलाए जाएंगे। उद्योग और सेना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि माइक्रोरिएक्टर सैन्य ठिकानों के लिए मजबूत बिजली स्त्रोत दे सकते हैं। अगर मुख्य बिजली ग्रिड बंद हो जाए, तब भी इनसे जरूरी ढांचे को बिजली मिल सकती है। इन रिएक्टरों को कई साल तक दोबारा ईंधन भरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सेना के सचिव डैन ड्रिस्कॉल ने कहा कि इन परियोजनाओं से सैन्य ठिकानों तक सुरक्षित और भरोसेमंद लगातार बिजली पहुंचाने की क्षमता तेजी से बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सेना ऐसी ऊर्जा व्यवस्था बना रही है, जिससे दुनियाभर में सैन्य ताकत इस्तेमाल करने के लिए जरूरी ऊर्जा मिल सके। इसके लिए कमजोर पड़ सकने वाले बाहरी बिजली ग्रिड पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। ये अनुदान सेना के जेनस प्रोग्राम का हिस्सा हैं। यह कार्यक्रम पिछले साल अगली पीढ़ी की परमाणु ऊर्जा विकसित करने के लिए शुरू किया गया था। अधिकारी चाहते हैं कि परमाणु तकनीक का विकास तेजी से आगे बढ़े। उन्नत रिएक्टरों के डिजाइन केवल प्रयोग और शुरुआती मॉडल तक सीमित न रहें। वे कई वर्षों तक बिजली देने में सक्षम हों। सेना के प्रतिष्ठानों, ऊर्जा और पर्यावरण मामलों के प्रधान उप सहायक सचिव जेफ वैक्समैन ने इसे इस दिशा में सबसे आगे की नोक बताया। उन्होंने बुधवार को पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि सेना इसी बदलाव को लाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने साफ किया कि ये डिजाइन केवल अमेरिकी सेना के लिए नहीं बनाए जा रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि नए परमाणु रिएक्टर बहुत महंगे हैं।

बाढ़ ने मचाई भीषण तबाही, 150+ लोगों की मौत; 750 से ज्यादा अभी भी लापता, यूपी-बिहार में अलर्ट

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में तिब्बत से अचानक आई भीषण बाढ़ ने कई कस्बों और गांवों में भारी तबाही मचाई। नेपाल पुलिस के अनुसार, बाढ़ में 157 लोगों की मौत हो गई है और 750 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। लापता लोगों में 133 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। बाढ़ से कई महत्वपूर्ण पुल बह गए और करीब एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाएं प्रभावित हुई हैं। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने संसद को बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 8ः37 बजे तिब्बत क्षेत्र में भूकंप आया था। इसके तीन मिनट बाद अचानक बाढ़ की सूचना मिली। इससे आशंका है कि भूकंप के झटकों से ग्लेशियर से अचानक पानी निकलने की घटना हुई, जिससे बाढ़ आई।

नेपाल में बाढ़ से यूपी-बिहार में अलर्ट : नेपाल में आई अचानक बाढ़ ने उत्तर प्रदेश के महाराजगंज और कुशीनगर समेत बिहार के लिए भी खतरे की घंटी बजा दी है। बाढ़ का पानी त्रिशूली नदी तक पहुंचने और वहां जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर दर्ज होने के बाद बिहार और यूपी सरकार ने गंडक और नारायणी नदी से जुड़े जिलों में अलर्ट जारी कर दिया है।

विदेश मंत्रालय लगातार नेपाल सरकार के संपर्क में है। बिहार के पश्चिम चंपारण, गोपालगंज और मुजफ्फरपुर समेत गंडक के तटवर्ती इलाकों में प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। लोगों से नदी से दूर रहने, निचले इलाकों को खाली करने के लिए कहा गया है। राज्य के बाढ़ निगरानी तंत्र के मुताबिक पूर्वी चंपारण के डुमरियाघाट में गंडक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर दर्ज किया गया, जबकि रेवा घाट पर नदी चेतावनी स्तर पार कर चुकी है।

एनडीआरएफ की 20 टीमें की गई तैनात : नेपाल से आने वाले अतिरिक्त पानी को देखते हुए अगले कुछ घंटों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जल संसाधन विभाग को तटबंधों पर चौबीसों घंटे निगरानी के लिए कहा गया है। स्थिति का आकलन करने के बाद, पश्चिमी चंपारण और मुजफ्फरपुर में तैनाती के लिए एनडीआरएफ की दो टीमें भेजी गई हैं। बिहार में कुल नौ टीमें तैनात हैं। उत्तर प्रदेश में भी राज्य सरकार स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। कुशीनगर जिले में एनडीआरएफ की एक अतिरिक्त टीम तैनात की गई है, जिसके गंडक नदी के करीब होने के कारण प्रभावित होने की संभावना है। बाढ़ की चेतावनी और बचाव कार्यों के लिए यूपी में कुल 11 टीमें तैनात हैं।

नेपाल में कैसे बाढ़ ने मचाई तबाही : अधिकारियों के अनुसार, भोटे कोशी नदी में आई बाढ़ से तिब्बत की सीमा से लगे रसुवा और धादिंग जिले प्रभावित हुए हैं। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, चट्टान खिसकने और नेपाल-तिब्बत सीमा के पास बहने वाली ल्हेंदे नदी में पानी बढ़ने के कारण रसुवा जिले के सीमावर्ती शहर टिमुरे में भोटे कोशी नदी के रास्ते बाढ़ का पानी त्रिशूली नदी में पहुंचा। इसके बाद बाढ़ नदी के रास्ते नुवाकोट, चितवन, गोरखा, तनहूं और नवलपरासी पूर्व जैसे अन्य जिलों तक फैल गई। ये इलाके काठमांडू से करीब 70 किलोमीटर से लेकर लगभग 200 किलोमीटर तक की दूरी पर हैं। नेपाल सरकार ने बताया कि करीब 750 लोग लापता हैं। वहीं, चीन के सरकारी समाचार चैनल सीजीटीएन के अनुसार, सीमा के चीनी हिस्से में तीन लोगों की मौत हुई है।

नेपाल में तबाही के एक दिन बाद सामने आया बड़ा खतरा, 47 ग्लेशियल झीलें बन सकती हैं बाढ़ की वजह

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 47 ग्लेशियल झीलों को संभावित रूप से खतरनाक माना गया है। वैज्ञानिक आकलन के अनुसार, इन झीलों के फटने से ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (तरल्लस्र) यानी अचानक आने वाली विनाशकारी बाढ़ का खतरा है। ऐसी बाढ़ नेपाल की प्रमुख नदी घाटियों में रहने वाले लोगों के साथ-साथ सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को भी भारी नुकसान पहुंचा सकती है। यह आकलन इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट और नेपाल सरकार की ओर से किए गए वैज्ञानिक अध्ययनों में सामने आया है।

21 झीलें नेपाल में, 25 तिब्बत में : आकलन में शामिल 47 संभावित खतरनाक ग्लेशियल झीलों में 21 नेपाल में और 25 तिब्बत में स्थित हैं। ये झीलें उन ऊंचे पर्वतीय इलाकों में हैं जहां से नेपाल की ओर बहने वाली नदियों का उद्गम होता है। यही वजह है कि अगर इनमें से कोई झील अचानक फटती है तो उसका पानी तेजी से नीचे की ओर बहते हुए नदी घाटियों में बसे गांवों और शहरों तक पहुंच सकता है। ग्लेशियल झीलों का खतरा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि इनमें से कई झीलें ग्लेशियरों के पीछे जमा पानी से बनी हैं और उनके किनारे कमजोर मिट्टी, बर्फ और चट्टानों से बने बांध जैसे प्राकृतिक अवरोधों से घिरे हैं। ऐसे अवरोध टूटने पर बहुत कम समय में बड़ी मात्रा में पानी नीचे आ सकता है।

कुछ झीलों पर तत्काल ध्यान की जरूरत : आपदा प्रबंधन अधिकारियों और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने तेजी से फैल रही और प्राकृतिक मलबे से बने कमजोर बांधों के पीछे स्थित कुछ झीलों को विशेष रूप से संवेदनशील माना है। इनमें लोअर बरुण (तल्लोपोखरी), थुलागी (डोना), लुमडिंग त्शो, होंगू-2/चामलांग साउथ, त्शो रोल्पा और इम्जा त्शो प्रमुख हैं। इन झीलों के पानी का स्तर और आकार बढ़ने से इनके अचानक टूटने की आशंका बढ़ सकती है। इसलिए इन पर पानी का स्तर कम करने और खतरा घटाने के उपायों को प्राथमिकता देने की जरूरत बताई गई है।

पूर्वी और मध्य नेपाल में ज्यादा खतरा : खतरा नेपाल के कई जिलों में फैला हुआ है। खास तौर पर कोशी और बागमती नदी बेसिन के इलाकों में स्थिति चिंताजनक है। इन क्षेत्रों में कुल क्षेत्रीय जोखिम का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संवेदनशील इलाकों में केंद्रित है। सोलुखुम्बु जिला दुध कोशी और इम्जा नदी घाटियों के कारण संवेदनशील है। यहां इम्जा झील से संभावित बाढ़ का खतरा है। संखुवासभा में बरुण और अरुण नदी घाटियों के आसपास के क्षेत्र खतरे में हैं। इसी तरह दोलखा में तामा कोशी नदी घाटी त्शो रोल्पा झील के संभावित प्रभाव क्षेत्र में आती है।

सिंधुपालचोक जिला भी काफी संवेदनशील है। यहां भोटे कोशी और सुन कोशी नदी घाटियों में तिब्बत की ओर स्थित ग्लेशियल झीलों से आने वाली बाढ़ का असर पड़ सकता है। इसके अलावा रामेछाप, काभ्रेपलांचोक और रसुवा के नदी किनारे बसे इलाकों पर भी खतरा है। खासकर त्रिशूली नदी बेसिन के आसपास के क्षेत्रों को संवेदनशील माना गया है।

पश्चिमी नेपाल में भी कई इलाके हो सकते हैं प्रभावित : नेपाल के पश्चिमी और सुदूर-पश्चिमी हिस्सों में गंडकी और कर्णाली नदी बेसिन के कई इलाके ग्लेशियल झीलों से आने वाली बाढ़ की चपेट में आ सकते हैं। मनांग और लमजुंग जिले थुलागी झील के नीचे स्थित मार्स्यांगदी नदी घाटी में हैं। इसलिए यहां अचानक आने वाली बाढ़ का सीधा असर पड़ सकता है। गोरखा में बूढ़ी गंडकी नदी घाटी, जबकि मुस्तांग और म्याग्दी में काली गंडकी नदी घाटी संवेदनशील है। दूर-दराज के हुम्ला जिले में भी खतरा है। खासकर लिमी घाटी और हुम्ला कर्णाली नदी गलियारे में रहने वाली आबादी और बुनियादी ढांचे पर संभावित तरल्लस्र का असर पड़ सकता है।

सिर्फ बाढ़ नहीं, बिजली परियोजनाओं के लिए भी खतरा : ग्लेशियल झीलों के फटने से सिर्फ नदी किनारे रहने वाली आबादी प्रभावित नहीं होगी। तेज बहाव के साथ आने वाला पानी, बर्फ, चट्टान और मलबा रास्ते में आने वाली सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा सकता है। पश्चिमी नेपाल की कई नदी घाटियों में जलविद्युत परियोजनाएं भी स्थित हैं। ऐसे में बड़ी तरल्लस्र घटना से बिजली उत्पादन और उससे जुड़े बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इन झीलों की लगातार निगरानी, शुरुआती चेतावनी प्रणाली और जरूरत पड़ने पर झीलों का जलस्तर कम करने जैसे उपायों से संभावित नुकसान को कम किया जा सकता है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नौशेरा में एलओसी पर आतंकी घुसपैठ विफल

राजौरी (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकवादियों की एक बड़ी घुसपैठ के प्रयास को भारतीय सेना ने विफल कर दिया है। आज शाम करीब 7:15 बजे सीमा पर तैनात मुस्तैद जवानों ने एक संदिग्ध घुसपैठिए को भारतीय क्षेत्र में दाखिल होते देखा, जिसके बाद दोनों ओर से भारी गोलीबारी हुई। सेना ने पूरे इलाके को घेरकर एक व्यापक खोज अभियान शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार, नौशेरा सेक्टर के अंतर्गत आने वाले रूमीधारा क्षेत्र (20 गढ़वाल राइफल्स का सामान्य क्षेत्र) में सीमा पर लगी कटीली बाड़ के पास सेना की एक आरटी कॉलम पोस्ट तैनात थी। इसी दौरान जवानों को पीठ पर भारी बैग टांगे एक संदिग्ध आतंकवादी की हरकत दिखाई दी। संदिग्ध घुसपैठिया कटीली बाड़ और वास्तविक नियंत्रण रेखा के बीच के क्षेत्र में रेंगते हुए आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा था। उसकी गतिविधि भांपते ही आरटी कॉलम ने तुरंत मोर्चा संभाला और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। भारतीय जवानों को भारी पड़ता देख घबराए आतंकवादी ने भी खुद को बचाने के लिए सेना पर दो राउंड जवाबी फायर किए। भारतीय सेना की 20 गढ़वाल राइफल्स के जवानों और सीमा पर तैनात अन्य सभी सहायक टुकड़ियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। रात के अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकवादी के भागने या छिपने की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त कुमुद बुलाई गई है, और पूरे क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

सरकारी शिक्षकों को आरएसएस रैली में शामिल होना पड़ा महंगा : कर्नाटक में दो निलंबित

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के यादगीर जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पथ संचलन (रैली) में भाग लेने के आरोप में शिक्षा विभाग ने दो सरकारी स्कूल के शिक्षकों को निलंबित किया है। इन शिक्षकों पर कर्नाटक सिविल सेवा (आचरण) नियम, 2021 का उल्लंघन करने का आरोप है। कर्नाटक शिक्षा विभाग के अनुसार, विभागीय जांच लंबित रहने तक यह कार्रवाई की गई है। निलंबित किए शिक्षकों में हुनसगी स्थित सरकारी बालिका उच्च विद्यालय के सहायक शिक्षक गुरुराज जोशी और सुरपुर तालुका के कुप्पी स्थित सरकारी निम्न प्राथमिक विद्यालय के हेडमास्टर अन्ना साहेब देशमुख शामिल हैं। निलंबित शिक्षक जोशी पर 12 अक्टूबर 2025 को विजयपुरा जिले के तालिकोटी में आयोजित आरएसएस रैली में शामिल होने का आरोप है, जिसकी तस्वीर लोकल समाचार पत्र में प्रकाशित हुई थी। वहीं, अन्ना साहेब देशमुख ने 10 अक्टूबर 2025 को हुनासागी में हुए संघ पथ संचलन में भाग लिया था। इन घटनाओं के बाद, अंबेडकर स्वाभिमानी सेना की जिलाध्यक्ष जुमाना गुडीमणि ने कड़ी आपत्ति जताकर शिकायत दर्ज कराई, जिसमें ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खर्गे से भी कार्रवाई की मांग की गई थी। शिक्षा विभाग ने दोनों शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। अपने लिखित जवाब में शिक्षकों ने तर्क दिया कि ये कार्यक्रम स्कूल के कामकाजी घंटों के दौरान नहीं, बल्कि रविवार को हुए थे और इनकी प्रकृति राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक थी। हालांकि, शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के स्पष्टीकरण को यह कहकर खारिज किया कि कर्नाटक सिविल सेवा नियमों के तहत इस घटना को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

नेपाल-चीन सीमा पर बनी खतरनाक झील से भारत तक बाढ़ का खतरा, अगले 72 घंटे अहम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में भोटेकोशी नदी की विनाशकारी बाढ़ के बाद अब एक और बड़े खतरे ने चिंता बढ़ा दी है। नेपाल-चीन सीमा के पास छोछेन खोला और पुरेपू त्सांगपो नदियों के संगम पर विशाल बैरियर लेक बन गई है। वैज्ञानिकों और चीनी अधिकारियों ने प्राकृतिक झील के कमजोर बांध को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है, जिसके फटने से अचानक बड़ी मात्रा में पानी नीचे की ओर आ सकता है। चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने अगले 72 घंटों को बेहद अहम बताकर इलाके में निगरानी बढ़ा दी है। यह झील भारत की सीमा से सीधे नहीं सटी है, बल्कि लगभग 120 से 140 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। हालांकि, इसका नदी तंत्र भारत से जुड़ा हुआ है। इस क्षेत्र से निकलने वाला पानी नेपाल के रास्ते आगे बढ़ता है और अंततः गंडक नदी के जरिए बिहार में प्रवेश करता है, जिससे डाउनस्ट्रीम इलाकों में भी चिंता बढ़ी है। चीन की चेतावनी के अनुसार, बैरियर लेक में तेजी से करीब 20 लाख क्यूबिक मीटर पानी जमा हो चुका है और अनुमान है कि लगभग 30 लाख क्यूबिक मीटर पानी और इकट्ठा हो सकता है। यदि पानी का दबाव बढ़ने से यह प्राकृतिक बांध टूटता है, तब ग्लेशियल या भूस्खलन से बनी झील के अचानक फटने जैसी स्थिति माना जाएगा। ऐसी स्थिति में पानी सामान्य बाढ़ की तरह धीरे-धीरे नहीं बल्कि बहुत तेज गति से चट्टानों, मिट्टी और मलबे के साथ नीचे आता है, जिससे भारी तबाही मच सकती है। अगले 72 घंटों के लिए चीन ने रियल-टाइम मॉनिटरिंग और फ्लड सिमुलेशन शुरू किया है ताकि बांध के टूटने पर पानी के बहाव की दिशा और गति का अनुमान लगाया जा सके। सबसे बड़ा सवाल यही है कि लेक का पानी सिर्फ ओवरफ्लो करेगा या पूरा बांध टूट जाएगा।

यूपी विधानसभा चुनाव से पहले महिला वोटरों को साधने बिछी सियासी बिसात

-बीजेपी का मुफ्त बस यात्रा का ऐलान तो सपा ने 40 हजार देने का किया वादा

नई दिल्ली, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले महिला वोटरों को साधने के लिए सियासी बिसात बिछने लगी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने 60 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं को आजीवन मुफ्त बस सेवा की सुविधा देने का ऐलान किया तो उसके जवाब में समाजवादी पार्टी भी पीछे नहीं रही उसने डिंपल यादव को फ्रंटफुट पर उतार दिया। डिंपल यादव ने स्त्री सम्मान समृद्धि योजना के तहत महिलाओं को सालाना 40 हजार रुपए देने का वादा कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डिंपल के फ्रंट पर आकर मोर्चा संभालने और महिला कार्ड खेलने के बाद बीजेपी ने अपनी रणनीति बदली। सपा के इस दांव को काटने और महिला वोटरों में अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखने के लिए बीजेपी ने अपनी महिला नेताओं की पूरी फौज मैदान में उतार दी है। बीजेपी की महिला नेताओं ने सपा के महिला कार्ड को काउंटर करना शुरू कर दिया है। यूपी में महिला मतदाता किसी भी चुनाव का पासा पलटने की ताकत रखती हैं। इसीलिए सपा और बीजेपी दोनों ही शह-मात का खेल खेलना शुरू कर दिया है। सपा सांसद डिंपल यादव ने जैसे ही महिलाओं को साधने का दांव चला, बीजेपी की महिला नेता फ्रंटफुट पर उतरकर सपा को महिला विरोधी कठघरे में खड़ा करने में जुट गई हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यूपी में महिला वोटों को साधने के लिए अपनी पत्नी और मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव को आगे कर दिया है। डिंपल ने बुधवार को सपा मुख्यालय में अपनी महिला ब्रिगेड के साथ स्त्री सम्मान समृद्धि योजना का ऐलान किया और कहा कि पार्टी के पीडीए का एक बड़ा मतलब आधी आबादी भी है। उन्होंने कहा कि सपा का मानना है कि जब तक महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत नहीं किया जाएगा, तब तक प्रदेश का समग्र विकास संभव नहीं है। महिलाओं को मोबाइल, लैपटॉप, पैसा, पाठशाला और प्रशिक्षण जैसे माध्यमों से सशक्त किया जाएगा। डिंपल के साथ अखिलेश यादव ने भी महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर बीजेपी को घेरा। उन्होंने कहा कि जब महिला आरक्षण बिल संसद से पास हो चुका है, तो बीजेपी इसे लागू करने में देरी क्यों कर रही है? इसे 2027 के विधानसभा चुनाव में ही लागू किया जाना चाहिए। डिंपल यादव के महिला कार्ड को काउंटर करने के लिए बीजेपी ने अपनी महिला नेताओं की पूरी फौज उतार दी है। योगी सरकार में मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि यूपी में सपा सरकार के दौरान बेटियां असुरक्षित थीं और महिलाओं का राह चलना दूभर था। सपा की महिला नेता रोली मिश्रा के साथ सपा कार्यकर्ताओं द्वारा अभद्रता के आरोपों पर अखिलेश यादव चुप रहे। योगी सरकार में महिलाएं भयमुक्त माहौल में जीवन जी रही हैं। सपा से विधायक बनीं और बगावत कर बीजेपी में आईं विधायक पूजा पाल ने कहा कि महिलाएं सपा के जाल में नहीं फंसने वाली हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा की बात करना हास्यास्पद है1 सपा सरकार में महिलाओं के साथ किस तरह का व्यवहार और छेड़खानी की घटनाएं होती थीं, यह सभी ने देखा है। चुनाव को लेकर जो महिला कार्ड खेला जा रहा है, वह काम नहीं आने वाला, महिलाएं सपा के दौर को भूल नहीं पाई हैं।

राजस्थान में इस महीने स्वाइन फ्लू के सबसे ज्यादा मामले सामने आए

-संक्रमण से बचने सावधानी और समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेना जरुरी

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में अगस्त में स्वाइन फ्लू के 55 मामले सामने आए हैं, जो इस साल किसी एक महीने में दर्ज मामलों की सबसे ज्यादा हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक नए मामलों के साथ राज्य में जनवरी 2026 से अब तक स्वाइन फ्लू के कुल 146 मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि कुछ राज्यों, विशेषकर दिल्ली में एच1एन1 के मामलों में वृद्धि को देखते हुए विभाग स्थिति पर करीबी नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित चिकित्सा संस्थानों को स्थिति से निपटने के लिए जरुरी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि राज्य में जनवरी में दो, फरवरी में तीन, मार्च में 20, अप्रैल में 22, मई में 25, जून में 14, जुलाई में पांच और अगस्त में 55 मामले सामने आए। उन्होंने कहा कि एच1एन1 वायरस के किसी नए या अधिक घातक स्ट्रेन के फैलने की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि आईसीएमआर के मुताबिक वर्तमान में प्रसारित वायरस पहले से ही सक्रिय है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी बरतना और समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेना जरुरी है। राठौड़ ने बताया कि एच1एन1 या स्वाइन फ्लू एक श्वसन संक्रमण है। इसके सामान्य लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना या बंद होना, सिरदर्द, शरीर में दर्द और थकान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उचित देखभाल और चिकित्सकीय सलाह से ज्यादातर मरीज ठीक हो जाते हैं। छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों में जटिलताओं का जोखिम ज्यादा रहता है।

तमिलनाडु सीएम अपनी तय सीट छोड़कर मंत्रियों के बीच जाकर बैठ गए

-सदन की कार्यवाही में लिया हिस्सा, विधानसभा के इतिहास में यह पहली बार हुआ

चेन्नई, एजेंसी।

तमिलनाडु विधानसभा में गुरुवार को असामान्य नजारा देखने को मिला। सीएम सी जोसेफ विजय अपनी सीट छोड़कर मंत्रियों के बीच जाकर बैठ गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक विधानसभा के इतिहास में यह पहली बार है कि जब किसी सीएम ने अपनी तय सीट छोड़कर मंत्री के लिए तय सीट पर बैठकर कार्यवाही में हिस्सा लिया। वे सदन के नेता और मंत्री केए सेंगोट्टैयन और मंत्री आधव अर्जुन के बीच जाकर बैठ गए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम विजय के लिए विधानसभा में स्पीकर की सीट के पास अलग सीट निर्धारित है। वहीं मंत्री सामने की कतार में बैठते हैं। उनकी सीटें आमतौर पर वरिष्ठता के आधार पर तय होती हैं। विधायक और मंत्री कभी-कभी आपसी बातचीत के लिए अपनी सीट बदल लेते हैं, लेकिन सीएम का अपनी तय सीट छोड़कर मंत्री की सीट पर जाकर बैठना सामान्य नहीं था।

सीएम विजय के सीट बदलने से पहले विधानसभा में अहम मुद्दों पर चर्चा के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों की गैर मौजूदगी को लेकर सवाल उठा। विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने पूछा कि विभागीय सचिव चर्चा के दौरान सदन में मौजूद क्यों नहीं हैं। उदयनिधि ने करूर भगदड़ का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली डीएमके सरकार के दौरान तत्कालीन सीएमए एमके स्टालिन, मुख्य सचिव और संबंधित विभागों के सचिव अहम मुद्दों पर चर्चा के समय सदन में मौजूद रहते थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा सत्र में अधिकारियों की ऐसी मौजूदगी दिखाई नहीं दे रही है।

अमित शाह बोले- गांधीजी ने धर्मांतरण को माना था पाप

गुजरात विद्यापीठ के 72वें दीक्षांत समारोह में गृह मंत्री ने बापू के विचारों का किया उल्लेख और कहा- स्वार्थ के लिए राजनीति करना गलत

अहमदाबाद, एजेंसी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महात्मा गांधी के विचारों और उनके बताए सामाजिक मूल्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि बापू ने धर्मांतरण को पाप का एक रूप माना था। उन्होंने लोगों से अपने स्वधर्म यानी अपने धर्म और अंतरात्मा की आवाज के अनुरूप जीवन जीने का आग्रह किया था। शाह ने कहा कि वे बहुत कम उम्र से ही महात्मा गांधी के प्रशंसक रहे हैं और एक तरह से उनके अनुयायी भी हैं।

शाह अहमदाबाद स्थित गुजरात विद्यापीठ के 72वें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। समारोह में करीब 900 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। गृह मंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए यह दिन महत्वपूर्ण और अनमोल है, लेकिन उनके लिए भी यह अवसर विशेष महत्व रखता है। उन्होंने गुजरात विद्यापीठ से अपने पुराने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि वे यहां की लाइब्रेरी की किताबों के शौकीन पाठक रहे हैं और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन इसी संस्थान के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि बनने का अवसर मिलेगा।

बचपन में काता सूत, खादी पहनने का लिया था संकल्प

अमित शाह ने महात्मा गांधी से जुड़े अपने व्यक्तिगत अनुभवों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बचपन में उन्होंने लंबे समय तक खादी बुनी और सूत काता है। उनकी मां ने उनसे जीवनभर खादी पहनने का संकल्प भी करवाया था। उन्होंने विद्यार्थियों से गांधीजी के विचारों को पढ़ने और उन्हें जीवन में उतारने की अपील की। सिद्धांतों के बिना राजनीति को बताया पाप गृह मंत्री शाह ने गांधीजी द्वारा बताए गए 'सात सामाजिक पापों' और उनकी रचनाओं में वर्णित 11 गुणों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इन मूल्यों का पालन करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधीजी के

अनुसार सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है। राजनीति स्पष्ट सिद्धांतों और उद्देश्यों पर आधारित होनी चाहिए। जो लोग केवल अपने स्वार्थ के लिए राजनीति करते हैं, वे भी एक तरह से पाप कर रहे हैं। शाह ने कहा कि गांधीजी 'नवनिर्माण' के बजाय 'पुनर्निर्माण' शब्द का इस्तेमाल करते थे। उनके मुताबिक भारत विशाल देश था, लेकिन गुलामी के दौर में इसे तोड़ दिया गया था। इसलिए गांधीजी देश के पुनर्निर्माण की बात करते थे। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार भी गांधीजी के पुनर्निर्माण संबंधी विचारों से प्रेरणा लेकर देश को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है।

सीजेपी एक-दो राज्यों में सत्ता हासिल कर लेती है, तो इसमें कोई हैरानी नहीं होगी: चिदंबरम

चेन्नई, एजेंसी।

पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी चिदंबरम ने कहा है कि अगर कॉकरोच जनता पार्टी एक या दो राज्यों में सत्ता हासिल कर लेती है, तो इसमें कोई हैरानी की बात नहीं होगी। चिदंबरम ने चेन्नई में एक इंटरव्यू में ये बातें कहीं। अभिजीत दीपके की सीजेपी को लेकर चिदंबरम ने कहा कि मुझे नहीं पता और मैं यह नहीं कह सकता कि क्या यह पूरे देश में तीसरी ताकत के तौर पर उभर पाएगी या नहीं। उन्होंने सरकारी स्कूलों की हालत पर केंद्रित इस नई पार्टी के स्कूल ठीक करो अभियान का जिक्र किया और सत्ता में बैठे लोगों पर संगठन के इस अभियान के असर को माना है। उन्होंने कहा कि सीजेपी के इस अभियान ने सत्ता में बैठे लोगों को जगा दिया है। सीजेपी के अभियान के बाद सरकारी स्कूलों को ठीक करने के लिए फंड देने की घोषणाएं की जाने लगी हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एनटीए की ओर से इस साल आयोजित नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर चिदंबरम ने कहा कि ऐसा होना तय था। उन्होंने एनटीए में स्थायी कर्मचारियों की कम संख्या और देश भर में हजारों सेंटर्स पर परीक्षा आयोजित करने की जरूरत का जिक्र किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या टीएमके बीजेपी के करीब आएगी, तो इस पर चिदंबरम ने जवाब दिया कि इसकी कोई संभावना नहीं है। अगर वे ऐसा करते हैं, तो वे खुद अपना नुकसान करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि परिसीमन के मुद्दे पर कांग्रेस ने विधानसभा में एक प्रस्ताव का समर्थन किया था, जिसमें केंद्र से लोकसभा सीटों की संख्या मौजूदा 543 पर ही बनाए रखने और राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बरकरार रखने की अपील की गई थी।

गोवा में धर्मांतरण रोधी विधेयक का विपक्ष कर रहा विरोध, सीएम बोले- सदन में करेंगे चर्चा

पणजी, एजेंसी।

धर्मांतरण रोधी विधेयक के मसौदे का विरोध बढ़ने के बीच गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने कहा कि इस विधेयक पर कोई भी चर्चा 31 अगस्त से शुरू हो रहे राज्य विधानसभा के मानसून सत्र में होगी। कैबिनेट द्वारा स्वीकृत 'गोवा गैर-कानूनी धर्मांतरण निषेध विधेयक, 2026' में बलपूर्वक, दबाव, अनुचित प्रभाव, प्रलोभन, कपटपूर्ण साधनों या विवाह के जरिए कथित धर्मांतरण के लिए सख्त सजा का प्रस्ताव है। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और निर्दलीय विधायक समेत विपक्षी दलों ने इस विधेयक का विरोध कर दावा किया है कि इससे राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट कके मुताबिक सीएम सावंत ने विपक्ष के विरोध पर कहा कि विधेयक को सदन में पेश होने दीजिए। हम वहीं

इस पर चर्चा करेंगे। उन्होंने इस प्रस्तावित कानून पर अन्य कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। यह विधेयक आगामी तीन दिवसीय मानसून सत्र में राज्य विधानसभा में पेश किया जाएगा। विधेयक के तहत अपराधियों को आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। इसके अलावा कम से कम 50,000 रुपए का जुर्माना और पीड़ितों को पांच लाख रुपए तक का मुआवजा दिए जाने का प्रावधान है। प्रस्तावित कानून में उस विवाह को ''अवैध'' घोषित करने का भी प्रावधान है, जो केवल धर्मांतरण के उद्देश्य से किया गया हो। इस अपराध के दोषी पाए जाने वाले हिंदू पुजारियों और मौलवियों समेत अन्य लोगों को न्यूनतम 10 साल के कारावास की सजा हो सकती है। महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्य पहले ही धर्मांतरण रोधी कानून बना चुके हैं।

कहीं भीषण गर्मी तो कहीं बाढ़-भूस्खलन में अलनीनो निभा रहा अहम भूमिका

-समुद्र का तापमान बढ़ना समुद्री जीवन के लिए ही खतरा नहीं, मौसम पर भी पड़ती है मार

नई दिल्ली, एजेंसी।

कहीं भीषण गर्मी तो कहीं कम समय में तेज बारिश से बाढ़ और भूस्खलन जैसे हालात बन रहे हैं। इसके पीछे जलवायु परिवर्तन के साथ इस समय मजबूत हो रहा अल नीनो भी अहम भूमिका निभा रहा है। हालिया आंकड़े इस बदलाव की गंभीर तस्वीर दिखाते हैं। 22 अगस्त को दुनिया के समुद्रों का औसत सतही तापमान 21.1 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो 1979 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे पहले रिकॉर्ड 21.09 डिग्री सेल्सियस का था, जो मार्च 2024 में दर्ज हुआ था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समुद्र धरती की अतिरिक्त गर्मी का बहुत बड़ा हिस्सा अपने अंदर जमा करता है। इसलिए समुद्र का तापमान बढ़ना केवल समुद्री जीवन के लिए खतरा नहीं, बल्कि इसका असर पूरी मौसम व्यवस्था पर पड़ सकता है। गर्म समुद्री पानी से वाष्पीकरण बढ़ता है। इससे वातावरण में ज्यादा नमी पहुंच सकती है और कुछ इलाकों में भारी बारिश और तूफानों की ताकत बढ़ सकती है। दूसरी ओर समुद्र का गर्म होना मछलियों, प्रवाल भित्तियों और दूसरे समुद्री जीवों के लिए भी परेशानी बढ़ाता है। वैज्ञानिकों ने समुद्र के इस नए रिकॉर्ड को बेहद चिंताजनक बताया है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनिया एक मजबूत अल नीनो का सामना कर रही है। पूर्वानुमान के मुताबिक अल नीनो के 2026 के अंत तक और मजबूत होने की संभावना है। अक्टूबर से दिसंबर 2026 के दौरान बहुत मजबूत अल नीनो की संभावना 90 फीसदी से ज्यादा बताई गई है। एक आकलन में इस अवधि में ऐतिहासिक रूप से बेहद मजबूत घटना की 69 फीसदी संभावना भी जताई गई है। वैज्ञानिक मॉडल यह भी संकेत दे रहे हैं कि मौजूदा अल नीनो अक्टूबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच अपने चरम पर पहुंच सकता है और इसकी ताकत पुराने सबसे मजबूत अल नीनो घटनाक्रमों के स्तर के करीब जा सकती है।

वहीं भारत में इस साल मानसून में कई जगह भारी बारिश, बादल फटने, बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं देखने को मिली हैं। हिमाचल प्रदेश इसका उदाहरण है। 30 जून से 23 अगस्त के बीच हिमाचल प्रदेश में 224 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 91 मौतें बारिश से जुड़ी आपदाओं, जैसे भूस्खलन, बादल फटने और डूबने जैसी घटनाओं से हुईं। राज्य में 149 सड़कें बंद रहीं और मानसून से हुआ कुल नुकसान 1,121 करोड़ रुपए से ज्यादा पहुंच गया।

भारत में जहां बारिश और बाढ़ चिंता बढ़ा रही है, वहीं यूरोप के कई हिस्से लगातार भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। 2026 की गर्मियों में लगातार कई

रिकॉर्ड गर्मी की लहरें देखने को मिली हैं। हालिया आकलन के मुताबिक यूरोप में इस गर्मी की लगातार चार बड़ी हीटवेव से कम से कम 35,000 अतिरिक्त मौतें जुड़ी हो सकती हैं। जर्मनी, फ्रांस और स्पेन में ही 25,000 से ज्यादा अतिरिक्त मौतों का अनुमान है। ये आंकड़े शुरुआती हैं और कई देशों से अगस्त का पूरा डेटा अभी सामने नहीं आया है।